Email : ideacitinews@gmail.com

एक नये कल के लिए एक नई आवाज

www.ideacitinews.com



वर्ष : 5 |अंक : 319

बुधवार, 25 नवंबर 2026



बिहार में मुफ्त राशन : हर चौथा लाभार्थी पात्रता के घेरे से बाहर!

केंद्र की पड़ताल में 25.5% 'इनक्लूजन एरर', राष्ट्रीय औसत 13.2% से करीब दोगुनी चूक, 8.45 करोड़ लोगों को मिल रहा खाद्य सुरक्षा का लाभ, अपात्रों की पहचान पर उठे सवाल

आइडियासिटी संवाददाता

पटना/बिहारशरीफ| गरीबों की थाली तक पहुंचने वाला सरकारी अनाज कहीं अपात्र परिवारों के घर तो नहीं जा रहा? केंद्र सरकार की मूल्यांकन रिपोर्ट ने बिहार की मुफ्त राशन व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। देशभर में राशन लाभार्थियों के बीच 13.2 प्रतिशत 'इनक्लूजन एरर' मिला है, जबकि बिहार में यह आंकड़ा 25.5 प्रतिशत है। यानी अध्ययन में शामिल लाभार्थी परिवारों में करीब हर चौथा परिवार राज्य के निर्धारित पात्रता मानकों पर खरा नहीं उतरा। राष्ट्रीय औसत के मुकाबले बिहार में यह चूक लगभग दोगुनी है।

51 हजार परिवारों के बीच हुई पड़ताल, बिहार का आंकड़ा चौंकाने वाला : खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग की ओर से वित्तीय वर्ष 2025-26 में कराए गए इस अध्ययन में देश के सभी 36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 51,303 परिवारों को शामिल किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, तीन या उससे अधिक कमरों वाले पक्के मकान, एसी, मोटर वाहन और परिवार में सरकारी नौकरी जैसे संकेतक अधिक इनक्लूजन एरर वाले राज्यों में सामने आए हैं। हालांकि, इन आधारों पर अपने आप राशन कार्ड रद्द नहीं किया जा सकता; पात्रता का फैसला राज्य के लागू नियमों और जांच के आधार पर ही होगा।



राष्ट्रीय औसत से लगभग दोगुनी चूक, दूसरे राज्यों में भी समस्या

रिपोर्ट में बिहार का आंकड़ा 25.5 प्रतिशत है। पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और तमिलनाडु में भी यह दर ऊंची दर्ज की गई, जबकि जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान में अपेक्षाकृत कम रही। ग्रामीण क्षेत्रों में राष्ट्रीय स्तर पर यह त्रुटि 12.5 और शहरी क्षेत्रों में 15.6 प्रतिशत पाई गई।

जिम्मेदारी राज्य सरकार की भी है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम की धारा 10 के तहत पात्र परिवारों की पहचान राज्यों को करनी होती है। ऐसे में बिहार में राशन कार्डों का पारदर्शी सत्यापन, सरकारी रिकॉर्ड से मिलान और नियमित डेटाबेस समीक्षा जरूरी है। लेकिन जांच के नाम पर किसी वास्तविक गरीब का राशन न कटे, इसकी गारंटी भी उतनी ही अहम है।

2.09 करोड़ राशन कार्ड, 8.45 करोड़ से अधिक लाभार्थी

बिहार की चिंता इसलिए भी बड़ी है, क्योंकि यहां करीब 2.09 करोड़ राशन कार्डों के जरिए 8.45 करोड़ से अधिक लोगों को खाद्य सुरक्षा का लाभ मिल रहा है। नवंबर में 23.75 लाख नए लाभुकों को राशन कार्ड देने की जानकारी भी सामने आई। ऐसे में सवाल है कि एक ओर नए परिवारों को योजना से जोड़ा जा रहा है, तो दूसरी ओर पुरानी लाभार्थी सूची की पात्रता कितनी नियमितता से जांची जा रही है?

2.28 लाख करोड़ की खाद्य सब्सिडी, अब जवाबदेही की बारी

वित्तीय वर्ष 2025-26 में केंद्र का खाद्य सब्सिडी खर्च 2.28 लाख करोड़ रुपये रहा। अब बड़ा सवाल है—क्या बिहार सरकार इस रिपोर्ट के आधार पर लाभार्थियों की सूची की व्यापक समीक्षा कराएगी, ताकि सरकारी अनाज अपात्रों के बजाय असली जरूरतमंदों की थाली तक पहुंचे?

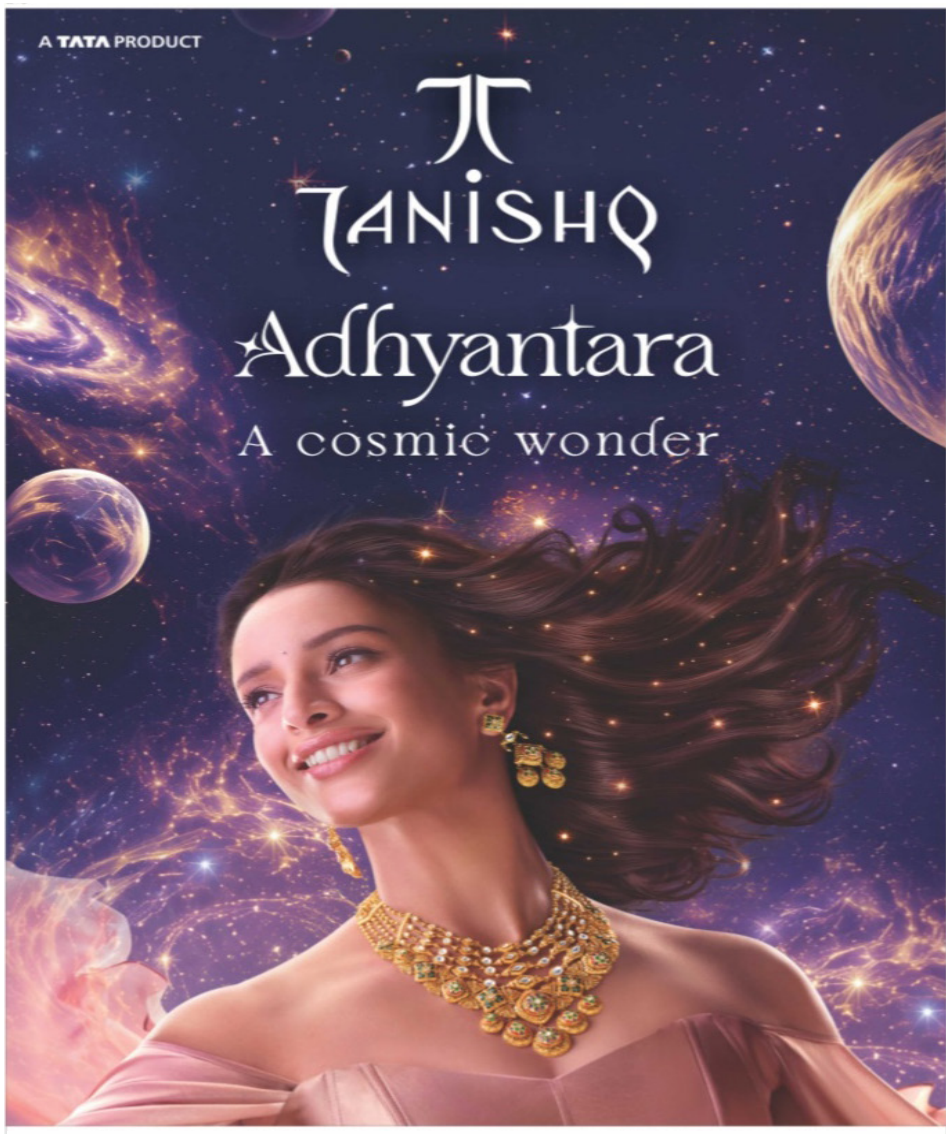

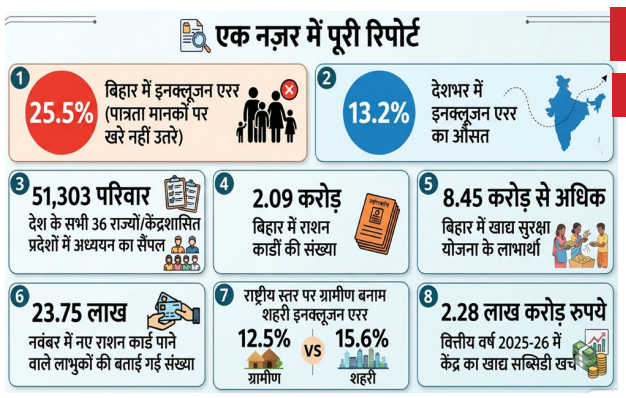

किन परिवारों की पात्रता पर उठे सवाल?

अध्ययन में अधिक इनक्लूजन एरर वाले राज्यों में ये संकेतक सामने आए—

- तीन या उससे अधिक कमरों वाला पक्का मकान।
- घर में एयर कंडीशनर (एसी) होना।
- मोटर वाहन का मालिकाना हक।
- परिवार के किसी सदस्य का सरकारी नौकरी में होना।

अब बिहार के सामने तीन बड़े सवाल

1. क्या राज्य में सभी पुराने राशन कार्डों का नए सिरे से सत्यापन होगा?
2. क्या सरकारी नौकरी, आयकर, वाहन और संपत्ति से जुड़े रिकॉर्ड का नियमानुसार मिलान किया जाएगा?
3. क्या अपात्र लाभार्थियों की पहचान के साथ राशन से वंचित वास्तविक गरीब परिवारों को भी जोड़ा जाएगा?

बेहतर काम करने वाले पैक्सों पर बरसेगा पुरस्कार, राज्य स्तर पर मिलेंगे 15 लाख रुपये : 15 दिसंबर तक मौका

आइडियासिटी संवाददाता

पटना । सहकारी समितियों के कामकाज में पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए बिहार सरकार ने बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्राथमिक कृषि साख समितियों (पैक्स) को लाखों रुपये के पुरस्कार देने की पहल की है। मुख्यमंत्री आदर्श पैक्स प्रोत्साहन योजना के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले पैक्सों को राज्य और जिला स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 21 नवंबर 2026 से शुरू हो चुकी है। पात्र पैक्स 15 दिसंबर 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव ने बताया कि योजना का उद्देश्य पैक्सों में पारदर्शिता, जवाबदेही और कार्यक्षमता को बढ़ावा देना है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली समितियों को पुरस्कृत करने से दूसरी समितियों को भी अपने कामकाज में सुधार करने की प्रेरणा मिलेगी। योजना के तहत राज्यस्तरीय पुरस्कार में प्रथम स्थान पाने वाले पैक्स को 15 लाख रुपये, दूसरे स्थान पर 10 लाख और तीसरे स्थान पर सात लाख रुपये दिए जाएंगे। वहीं, जिलास्तरीय पुरस्कार में प्रथम स्थान के लिए पांच लाख, द्वितीय स्थान के लिए तीन लाख और तृतीय स्थान के लिए दो लाख रुपये निर्धारित किए गए हैं। पैक्सों का चयन केवल सामान्य कामकाज के आधार पर नहीं, बल्कि उनकी वित्तीय स्थिति, प्रबंधकीय क्षमता और विभिन्न गतिविधियों में प्रदर्शन के निर्धारित मानकों के अनुसार किया जाएगा। इसके लिए 31 मार्च 2026 को समाप्त वित्तीय वर्ष का अंकेक्षण आधार बनेगा। पात्रता के लिए 30 सितंबर 2026 तक अंकेक्षण कार्य पूरा कराना अनिवार्य है।

योजना का लाभ लेने के लिए पैक्सों को ई-सहकारी पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन की अंतिम तिथि 15 दिसंबर 2026 है। विस्तृत जानकारी सहकारिता विभाग की वेबसाइट https://state.bihar.gov.in/cooperative/ पर उपलब्ध है। इसके अलावा संबंधित प्रखंड के सहकारिता प्रसार पदाधिकारी और जिला सहकारिता पदाधिकारी से भी जानकारी ली जा सकती है।

विभाग ने सहायता के लिए टोल फ्री नंबर 18003454110 जारी किया है।

अमृत सरोवरों पर गूंजेगा संविधान का संदेश, 26 नवंबर को बिहार के सभी जिलों में होगा विशेष आयोजन

जल संरक्षण से स्वच्छता तक की दिलाई जाएगी सामूहिक शपथ, युवाओं, विद्यार्थियों, जीविका दीदियों और श्रमिकों की होगी भागीदारी

आइडियासिटी संवाददाता

पटना । संविधान के आदर्शों और जल संरक्षण के संकल्प को एक साथ जन-जन तक पहुंचाने की तैयारी है। संविधान दिवस के अवसर पर 26 नवंबर को बिहार के सभी जिलों में अमृत सरोवर स्थलों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ग्रामीण विकास विभाग की इस पहल का उद्देश्य लोगों को संविधान के मूल्यों, मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने के साथ जल एवं पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ना है। ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत बिहार रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी के माध्यम से वीबी-जी राम जी के आयुक्त अंजनि कुमार ने सभी जिलाधिकारियों और उप विकास आयुक्तों को आयोजन के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। यह पहल भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के निर्देश के आलोक में की जा रही है। कार्यक्रम में युवाओं, स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों, वीबी-जी राम जी के श्रमिकों और जीविका दीदियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। अमृत सरोवरों पर संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन होगा। इसके साथ ही मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों और संवैधानिक मूल्यों पर परिचर्चा आयोजित की जाएगी। प्रतिभागी जल संरक्षण, स्वच्छता और अमृत सरोवरों के रखरखाव की शपथ भी लेंगे। विद्यार्थी और युवा क्लब सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे तथा सरोवरों के आसपास विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। आयोजन को स्थानीय समुदाय और संबंधित विभागों के समन्वय से जन-आंदोलन का रूप देने की तैयारी है। इसके प्रचार-प्रसार में स्थानीय मीडिया और सोशल मीडिया की मदद ली जाएगी। कार्यक्रम के बाद सभी जिलों को आयोजन स्थलों की संख्या, प्रतिभागियों का विवरण और गतिविधियों की रिपोर्ट के साथ पांच से दस उच्च गुणवत्ता वाली तस्वीरें राज्य मुख्यालय को भेजनी होंगी। ग्रामीण विकास मंत्री एवं सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि इस आयोजन से लोगों में संविधान के अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। स्वच्छता गतिविधियों से ग्रामीण समुदाय साफ-सफाई के प्रति संवेदनशील होगा। साथ ही वीबी-जी राम जी योजना के क्रियान्वयन और ग्रामीणों तक इसका लाभ पहुंचाने में भी मदद मिलेगी।

ड्रैगन फ्रूट की खेती पर दो लाख रुपये तक अनुदान, बागवानी से किसानों की आमदनी बढ़ाने की तैयारी

अमरूद, नींबू, अनार समेत चयनित फसलों पर एक लाख रुपये प्रति एकड़ तक सहायता

बटाईदार किसानों को भी मिलेगा लाभ : 31 दिसंबर तक आवेदन

आइडियासिटी संवाददाता

पटना । पारंपरिक खेती के साथ अब किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए बिहार सरकार बागवानी और उच्च मूल्य वाली फसलों की खेती को प्रोत्साहित कर रही है। चतुर्थ कृषि रोड मैप के तहत 'गांव की बागवानी, हमारे गौरव की कहानी' पहल के अंतर्गत संचालित क्लस्टर में बागवानी योजना में किसानों को आकर्षक अनुदान दिया जाएगा। चयनित उद्यानिकी और सुगंधित फसलों की खेती पर एक लाख रुपये प्रति एकड़ तक, जबकि ड्रैगन फ्रूट की खेती पर दो लाख रुपये प्रति एकड़ तक अनुदान का प्रावधान है। इच्छुक किसान 31 दिसंबर 2026 तक कृषि विभाग के डीबीटी पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं।

कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बताया कि योजना में अमरूद, नींबू, एप्पल बेर, बेल, कटहल, आंवला, अनार, पपीता और ड्रैगन फ्रूट सहित चयनित सुगंधित पौधों की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में आंवला के लिए 50 हेक्टेयर, एप्पल बेर के लिए 30 हेक्टेयर, अमरूद के लिए 190 हेक्टेयर,



नींबू के लिए 210 हेक्टेयर और अनार के लिए 10 हेक्टेयर क्षेत्र में खेती का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वहीं, 2025-26 में पपीते की खेती के लिए 40 हेक्टेयर का लक्ष्य रखा गया था। योजना के तहत किसान न्यूनतम 0.25 एकड़ और अधिकतम 10 एकड़ तक की खेती के लिए अनुदान प्राप्त कर सकते हैं। सहायता राशि दो किस्तों में 65 :35 के अनुपात में दी जाएगी। खास बात यह है कि योजना में बटाईदार किसानों को भी शामिल किया गया है। पपीते की खेती के लिए भूमि संबंधी एकरारनामा प्रस्तुत करने पर गैर-रैयत किसान भी लाभ उठा सकेंगे। कम से कम 30 प्रतिशत लाभार्थी महिला किसानों को बनाने का लक्ष्य रखा गया है। क्लस्टर का न्यूनतम रकबा 0.25 एकड़ होना जरूरी है। किसानों का डीबीटी पोर्टल पर पंजीकरण और आवश्यक दस्तावेज अपलोड करना अनिवार्य होगा। लगाए गए पौधों की कम से कम 75 प्रतिशत उत्तरजीविता सुनिश्चित करनी होगी। गलत जानकारी या दस्तावेजों में त्रुटि मिलने पर आवेदन रद्द किया जा सकता है। कृषि मंत्री ने किसानों से क्लस्टर आधारित बागवानी अपनाने की अपील करते हुए कहा कि इससे गुणवत्तापूर्ण उत्पादन, बाजार की बेहतर संभावनाएं और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर विकसित होंगे।

जमीन का बनेगा डिजिटल पहचान पत्र, प्रॉपर्टी कार्ड से थमेंगे भूमि विवाद : क्यूआर कोड से होगी संपत्ति की पहचान

बिहार के 20 जिलों के 1,617 मौजों में अंतिम अधिकार अभिलेख प्रकाशित

आइडियासिटी संवाददाता



पटना । जमीन के एक टुकड़े को लेकर वर्षों तक चलने वाले विवाद, बार-बार अंचल कार्यालय के चक्कर और कागजी दस्तावेजों की उलझन से लोगों को राहत दिलाने की दिशा में बिहार सरकार बड़ा कदम उठा रही है। राज्य में भूमि सर्वेक्षण का काम तेजी से पूरा किया जा रहा है। सर्वेक्षण के पहले चरण में अब तक 20 जिलों के 1,617 मौजों में अंतिम अधिकार अभिलेख प्रकाशित किए जा चुके हैं। अब राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग रैयतों को पासबुक की तर्ज पर डिजिटल सुविधाओं से युक्त 'प्रॉपर्टी कार्ड' यानी नागरिक अधिकार अभिलेख उपलब्ध कराने की तैयारी में जुटा है।

इस कार्ड को जमीन के स्वामित्व का आधिकारिक और प्रमाणिक दस्तावेज बनाया जाएगा। इसमें रैयत का नाम, पिता का नाम, पता, जाति, मोबाइल नंबर और आधार नंबर जैसी जानकारियां दर्ज होंगी। इसके साथ ही जमीन का खाता-खेसरा, प्लॉट नंबर, रकबा, चौहद्दी और भूमि का वर्गीकरण भी अंकित रहेगा। प्रॉपर्टी कार्ड की सबसे खास बात यह होगी कि इसमें यूनिक प्रॉपर्टी आईडी, नजरी नक्शा, जियो-रिफरेंस मानचित्र और क्यूआर कोड भी दिया जाएगा। इससे जमीन की पहचान और दस्तावेजों का डिजिटल सत्यापन आसान हो सकेगा। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने सोमवार को विभागीय कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि सर्वेक्षण के क्रम में प्रत्येक सात दिन पर प्रपत्र-25 का प्रकाशन किया जाएगा। यदि किसी रैयत को प्रकाशित विवरण में कोई त्रुटि या आपत्ति नजर आती है तो वह प्रकाशन की तारीख से तीन महीने के भीतर अपर समाहर्ता के न्यायालय में अपील कर सकता है। मंत्री ने नागरिकों से भूमि सर्वेक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने और प्रशासन को सहयोग करने की अपील की। विभाग का मानना है कि जमीन के स्पष्ट और पारदर्शी अभिलेख तैयार होने से भविष्य में पारिवारिक और सामाजिक भूमि विवादों को कम करने में मदद मिलेगी।



मार्च 2027 से बिहार में नई शिक्षा नीति लागू करने की तैयारी, स्कूल से विश्वविद्यालय तक बदलेगा पढ़ाई का अंदाज

कक्षा छह से कंप्यूटर और कौशल शिक्षा पर जोर, कॉलेजों में तीन या चार साल का स्नातक पाठ्यक्रम

आइडियासिटी संवाददाता



पटना । अब पढ़ाई का मतलब सिर्फ किताबें रटना और परीक्षा पास कर डिग्री हासिल करना नहीं रह जाएगा। बिहार में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 लागू करने की तैयारी तेज हो गई है। प्रस्तावित योजना के अनुसार मार्च 2027 से राज्य के शिक्षण संस्थानों में नई शिक्षा व्यवस्था लागू करने की तैयारी है। इसके प्रभावी होने पर स्कूलों से लेकर कॉलेजों और विश्वविद्यालयों तक पढ़ाई के तरीके में व्यापक बदलाव देखने को मिलेंगे। सरकार का जोर विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ तकनीकी रूप से दक्ष, हुनरमंद और रोजगार के योग्य बनाने पर रहेगा। नई शिक्षा नीति के तहत स्कूली शिक्षा की मौजूदा 10+2 व्यवस्था की जगह 5+3+3+4 की शैक्षणिक संरचना अपनाई जाएगी। इसमें तीन से 18 वर्ष तक के बच्चों की शिक्षा को शामिल किया गया है। शुरुआती कक्षाओं में मातृभाषा और स्थानीय भाषाओं में पढ़ाई को प्राथमिकता मिलेगी। वहीं, कक्षा छह से ही विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और इंटर्नशिप से जोड़ने पर जोर रहेगा। सरकारी स्कूलों में कंप्यूटर शिक्षा को भी विशेष महत्व दिया जाएगा। बोर्ड परीक्षाओं में रटने की प्रवृत्ति कम कर विद्यार्थियों की समझ, तार्किक क्षमता और विश्लेषण कौशल को परखने की व्यवस्था विकसित करने की परिकल्पना है। कला, विज्ञान और वाणिज्य संकायों के बीच विषय चयन की पारंपरिक बाधाएं भी कम होंगी। विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार अलग-अलग विषय चुन सकेंगे। खेल, संगीत और कला जैसी गतिविधियों को भी पढ़ाई का हिस्सा बनाया जाएगा। उच्च शिक्षा में स्नातक पाठ्यक्रम तीन या चार साल के होंगे। विद्यार्थियों को बीच में पढ़ाई छोड़ने और दोबारा शुरू करने की सुविधा देने का प्रावधान है। निर्धारित अवधि की पढ़ाई पूरी करने पर प्रमाणपत्र या डिप्लोमा दिया जा सकेगा। एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) के माध्यम से विद्यार्थियों के अर्जित शैक्षणिक क्रेडिट डिजिटल रूप में सुरक्षित रहेंगे। इससे संस्थान या पाठ्यक्रम बदलने में सहूलियत होगी। विश्वविद्यालयों में शोध, नवाचार और बहुविषयक शिक्षा को बढ़ावा देने की योजना है। कॉलेजों को चरणबद्ध तरीके से स्वायत्तता देने और संबद्धता व्यवस्था में बदलाव की दिशा में भी काम किया जाएगा। ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा के अवसरों का विस्तार होगा।

वर्ष 2035 तक उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) को 50 प्रतिशत तक पहुंचाने का राष्ट्रीय लक्ष्य भी निर्धारित है। नई व्यवस्था का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को सिर्फ डिग्रीधारी नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर, रचनात्मक और रोजगार के योग्य बनाना है। हालांकि, इसकी वास्तविक सफलता शिक्षकों की उपलब्धता, स्कूलों में डिजिटल संसाधन, प्रशिक्षण और ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं पर निर्भर करेगी।

11वीं-12वीं की स्व अध्ययन सामग्री होगी और उपयोगी, विशेषज्ञ करेंगे समीक्षा

पढ़ाई छूटने पर भी नहीं टूटेगा शिक्षा का सिलसिला, बीबोस की सामग्री को बनाया जाएगा और प्रभावी

आइडियासिटी संवाददाता



पटना । राज्य के 11वीं और 12वीं कक्षा के ऐसे विद्यार्थियों के लिए राहत की पहल की जा रही है, जिनकी पढ़ाई किसी कारणवश बीच में छूट गई है। बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड (बीबोस) की ओर से विकसित स्व अध्ययन सामग्री को अब और उपयोगी तथा शिक्षार्थियों की जरूरतों के अनुरूप बनाया जाएगा। इसके लिए मंगलवार से महेंद्रू स्थित राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) में तीन दिवसीय समीक्षा कार्यशाला शुरू हुई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के आलोक में तैयार इस सामग्री की समीक्षा के लिए विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ जुटे हैं। कार्यशाला में शिक्षक, प्रधानाध्यापक, शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों के व्याख्याता एवं प्राचार्य के साथ विश्वविद्यालयों के विषय विशेषज्ञ हिस्सा ले रहे हैं। तीन दिनों तक सामग्री की विषयवस्तु, भाषा, उपयोगिता और शिक्षार्थियों की जरूरतों के अनुरूप इसकी प्रासंगिकता पर चर्चा होगी। बदलते शैक्षणिक परिवेश को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सुधार भी सुझाए जाएंगे। समीक्षा पूरी होने के बाद संशोधित अध्ययन सामग्री का उपयोग 11वीं और 12वीं के शिक्षार्थी अपनी पढ़ाई पूरी करने और परीक्षा की तैयारी में कर सकेंगे।

बॉलीवुड के सुर, लोक संस्कृति का रंग, दंगल और मेले से सजेगा राजगीर महोत्सव

26 से 28 नवंबर तक तीन दिवसीय आयोजन, सात दिनों तक चलेगा ग्रामश्री मेला



आइडियासिटी संवाददाता



राजगीर/पटना । अंतरराष्ट्रीय पर्यटन नगरी राजगीर एक बार फिर संगीत, लोक संस्कृति और पारंपरिक खेलों के रंग में रंगने जा रही है। 26 से 28 नवंबर तक राजगीर कन्वेंशन सेंटर में राजगीर महोत्सव-2026 का आयोजन होगा। तीन दिवसीय महोत्सव में बॉलीवुड गायकों की प्रस्तुतियों के साथ लोकनृत्य, शास्त्रीय संगीत, दंगल, टांगा रेस और महिला महोत्सव जैसे कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र होंगे। वर्ष 1986 में शुरू हुआ यह महोत्सव बिहार की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। पहले दिन 26 नवंबर को बॉलीवुड गायक मोहम्मद इरफान, 27 नवंबर को हर्षदीप कौर और अंतिम दिन 28 नवंबर को ऋचा भट्टाचार्य प्रस्तुति देंगी। समापन दिवस पर एमजे-5 ग्रुप का नृत्य कार्यक्रम भी होगा।

मेले में दिखेगी बिहार की लोक विरासत

महोत्सव के तहत सात दिनों तक ग्रामश्री मेला लगेगा। इसमें हस्तशिल्प, खादी, हैंडलूम, मधुबनी पेंटिंग और ग्रामीण उत्पादों के स्टॉल लगाए जाएंगे। करीब 40 विभागीय स्टॉल के साथ पुस्तक मेला और फूड कोर्ट भी होगा। व्यंजन मेले में बिहार के पारंपरिक पकवानों के अलावा सिलाव का प्रसिद्ध खाजा खास आकर्षण रहेगा। महिला महोत्सव में ओपन माइक, साइबर सुरक्षा और आत्मरक्षा से जुड़ी गतिविधियां होंगी। सद्भावना मार्च का समापन गृद्धकूट पर्वत पर होगा। वहीं महिला और पुरुष वर्ग के दंगल, टांगा रेस तथा टांगा सज्जा प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। आयोजन की व्यवस्था के लिए जिला प्रशासन ने 32 कोषांग बनाए हैं। सुरक्षा, पार्किंग, पेयजल, शौचालय, सीसीटीवी, कंट्रोल रूम और मल्टीमीडिया स्क्रीन की व्यवस्था की जा रही है।

बिहार स्टेट गेम्स में रजिस्ट्रेशन से पहचान पत्र तक पूरी प्रक्रिया होगी ऑनलाइन

पांच हजार से अधिक खिलाड़ियों की भागीदारी प्रस्तावित, 24 खेल संघों को गेम मैनेजमेंट सिस्टम की दी गई जानकारी

आइडियासिटी संवाददाता



पटना । बिहार स्टेट गेम्स-2026 में इस बार खिलाड़ियों का पंजीकरण, डेटा प्रबंधन और पहचान पत्र जारी करने की प्रक्रिया डिजिटल होगी। प्रतियोगिता को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए बिहार ओलंपिक संघ गेम मैनेजमेंट सिस्टम (जीएमएस) और डिजिटल एक्रेडिटेशन व्यवस्था लागू करने की तैयारी में है। आयोजन में पांच हजार से अधिक खिलाड़ियों की भागीदारी प्रस्तावित है। इस व्यवस्था को लागू करने के लिए बिहार ओलंपिक संघ की ओर से 24 खेल संघों के अध्यक्षों और प्रतिनिधियों की ओरिएंटेशन बैठक आयोजित की गई। इसमें ऑनलाइन पंजीकरण, खिलाड़ियों की जानकारी दर्ज करने, डेटा सत्यापन और डिजिटल पहचान पत्र तैयार करने की प्रक्रिया समझाई गई। बैठक में जीएमएस टीम ने प्रस्तुति के माध्यम से पूरी प्रणाली का प्रदर्शन किया। प्रतिनिधियों को बताया गया कि खिलाड़ी किस तरह ऑनलाइन पंजीकरण करेंगे और उनकी व्यक्तिगत व खेल संबंधी जानकारी किस प्रक्रिया से दर्ज और सत्यापित होगी। विभिन्न खेलों में खिलाड़ियों की प्रविष्टि, टीम प्रबंधन और वेबसाइट की सुविधाओं की भी जानकारी दी गई। डिजिटल एक्रेडिटेशन के तहत जारी होने वाले पहचान पत्र का नमूना भी प्रस्तुत किया गया। इसमें खिलाड़ियों से संबंधित जरूरी जानकारियां दर्ज रहेंगी। बिहार ओलंपिक संघ के अध्यक्ष अजय कुमार ने कहा कि तकनीक के इस्तेमाल से समय की बचत होगी। खिलाड़ियों के आंकड़ों को सुरक्षित रखने, जानकारी का सत्यापन करने और प्रतियोगिता में उनकी भागीदारी का रिकॉर्ड व्यवस्थित रखने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने खेल संघों के प्रतिनिधियों से निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने की अपील की, ताकि आयोजन के दौरान तकनीकी या प्रशासनिक परेशानी न हो।

मशाल-2026 में 11.61 लाख विद्यार्थियों ने दिखाई खेलों में रुचि, पंजीकरण की तिथि बढ़ी

अब 27 नवंबर तक स्कूलों में करा सकेंगे रजिस्ट्रेशन, पूर्वी चंपारण सबसे आगे और पटना सातवें स्थान पर

आइडियासिटी संवाददाता

पटना । बिहार के स्कूली विद्यार्थियों में खेलों को लेकर बढ़ती रुचि का अंदाजा मशाल-2026 के पंजीकरण आंकड़ों से लगाया जा सकता है। राज्य के सभी 38 जिलों में अब तक 11 लाख 61 हजार 189 विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण कराया है। अधिक से अधिक बच्चों को मौका देने के उद्देश्य से पंजीकरण की अंतिम तिथि 20 नवंबर से बढ़ाकर अब 27 नवंबर की रात 10 बजे तक कर दी गई है। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह सीईओ रविंद्रन शंकरण ने शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव सीके अनिल को पत्र भेजकर संशोधित तिथि की जानकारी दी है। उन्होंने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों, मास्टर ट्रेनरों और शारीरिक शिक्षा शिक्षकों तक इसकी सूचना पहुंचाने का अनुरोध किया है। पंजीकरण में पूर्वी चंपारण 83,315 विद्यार्थियों के साथ पहले, वैशाली 81,210 के साथ दूसरे और दरभंगा 51,958 के साथ तीसरे स्थान पर है। पटना में 46,052 पंजीकरण हुए हैं और जिला सातवें स्थान पर है। सबसे कम 4,250 पंजीकरण शेखपुरा में हुए हैं। मशाल का यह दूसरा संस्करण शिक्षा और खेल विभाग की संयुक्त पहल है। इसका उद्देश्य स्कूलों में छिपी खेल प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देना है।

कबाड़ी दुकान में छिपाकर रखी थी 90.75 लीटर विदेशी शराब, दुकानदार गिरफ्तार

आइडियासिटी संवाददाता



पटना । कबाड़ी दुकान की आड़ में अवैध विदेशी शराब का कारोबार किए जाने का मामला सामने आया है। रूपसपुर थाना क्षेत्र के महुआबाग झंडी के पास पुलिस ने छापेमारी कर एक कबाड़ी दुकानदार को गिरफ्तार किया है। उसकी दुकान के अंदर छिपाकर रखी गई कुल 90.75 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई है। नगर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) के अनुसार, 23 नवंबर को पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि महुआबाग झंडी के पास स्थित सरीफुल इस्लाम की कबाड़ी दुकान से अवैध शराब की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना के आधार पर रूपसपुर थानाध्यक्ष ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी दल गठित किया। पुलिस टीम ने दुकान पर पहुंचकर सरीफुल इस्लाम को पकड़ा। इसके बाद दुकान की तलाशी ली गई, जिसमें छिपाकर रखी गई 90.75 लीटर विदेशी शराब बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू की है। गिरफ्तार सरीफुल इस्लाम (20), पिता सुकुर अली, मूल रूप से वनगागी, थाना कालगछिया, जिला बरपेटा, असम का निवासी है। उसका वर्तमान पता महुआबाग झंडी कबाड़ी, थाना रूपसपुर, पटना बताया गया है। इस मामले में रूपसपुर थाना कांड संख्या 828/26, दिनांक 23 नवंबर 2026 के तहत बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम की धारा 30(ए) में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पटलीपुत्र स्टेशन के पास हेरोइन जैसे मादक पदार्थ के साथ महिला समेत दो गिरफ्तार

आइडियासिटी संवाददाता

पटना । पटना में मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री की गुप्त सूचना पर रूपसपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से करीब 14 ग्राम हेरोइन जैसा मादक पदार्थ बरामद किया है। दोनों आरोपी वैशाली जिले के रहने वाले हैं और सिमांचल एक्सप्रेस से पटना पहुंचे थे। नगर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) के अनुसार, 23 नवंबर को पुलिस को सूचना मिली थी कि सिमांचल एक्सप्रेस से आए एक पुरुष और महिला पटलीपुत्र स्टेशन के आसपास मादक पदार्थ की खरीद-बिक्री कर रहे हैं। सूचना के बाद वरीय अधिकारियों के निर्देश पर दानापुर-01 के अपर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में रूपसपुर थानाध्यक्ष ने छापेमारी दल गठित किया। पुलिस टीम ने पटलीपुत्र स्टेशन के नजदीक दीघा नहर रोड के पास दोनों को पकड़ा। तलाशी के दौरान इनके बैग में हरे रंग के प्लास्टिक डिब्बे से करीब 14 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ मिला। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान चंदर राय (33), पिता बालेश्वर राय और चंदा कुमारी (32), पति चंदर राय, दोनों निवासी अंधरवारा, थाना राजापाकर, जिला वैशाली के रूप में हुई है। रूपसपुर थाना कांड संख्या 827/26 दर्ज कर एनडीपीएस एक्ट के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सुशासन दिवस पर निशांत ने गिनाईं 2005 के बाद बिहार की उपलब्धियां

प्रदेश जदयू मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में शुरू हुई सुशासन यात्रा को किया याद, कार्यकर्ताओं के योगदान को सराहा



आइडियासिटी संवाददाता

पटना। बिहार में 24 नवंबर 2005 को शुरू हुई सुशासन की यात्रा को याद करते हुए स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने मंगलवार को पटना स्थित पार्टी प्रदेश मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। सुशासन दिवस के अवसर पर उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य में शासन व्यवस्था और विकास के क्षेत्र में हुए बदलावों का उल्लेख किया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व, दृढ़ इच्छाशक्ति और विकास के संकल्प ने बिहार की राजनीति और शासन व्यवस्था को नई दिशा दी। उनके अनुसार, राज्य ने भय, अराजकता और अव्यवस्था के दौर से निकलकर कानून का राज, सामाजिक न्याय, सुशासन और विकास की दिशा में आगे बढ़ने का प्रयास किया। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, महिला सशक्तीकरण, आधारभूत संरचना और सामाजिक कल्याण के क्षेत्रों में हुए कार्यों को बिहार के बदलाव में महत्वपूर्ण बताया। निशांत कुमार ने कहा कि सुशासन की यात्रा केवल सरकार की उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जनविश्वास, सामूहिक संकल्प और लोगों के परिश्रम की कहानी भी है। इस मौके पर उन्होंने पार्टी के नेताओं, जमीनी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के संघर्ष, समर्पण तथा योगदान को याद करते हुए उन्हें नमन किया। उनके मुताबिक, सुशासन की राजनीति को जन-जन तक पहुंचाने में कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

वैभव गाथा : 15 साल का वैभव, 28 छक्के और 204 रन... दोहा में क्रिकेट का कार्नेज

आइडियासिटी कुन्दन श्रीवास्तव



पटना। क्रिकेट में कभी-कभी कोई पारी सिर्फ़ रन नहीं बनाती, वह उन तमाम सवालों का जवाब भी बन जाती है, जो किसी खिलाड़ी की क़ाबिलियत पर उठाए गए होते हैं। दोहा में आज वैभव सूर्यवंशी ने कुछ ऐसा ही किया। जिस उम्र में बच्चे क्रिकेट की बारीकियां सीख रहे होते हैं, उस उम्र में 15 साल के इस लड़के ने दुनिया के गेंदबाज़ों को अपनी बल्लेबाज़ी का ऐसा सबक पढ़ाया कि रिकॉर्ड की किताबों को भी अपने पन्ने पलटने पड़े। कल तक वैभव को लेकर सवाल थे। उसकी बल्लेबाज़ी के तरीक़े पर बहस थी, उसकी नाकामियों को गिनाने वाले भी कम नहीं थे। कुछ आवाज़ें तो उसे टीम से बाहर करने की वकालत तक कर रही थीं। लेकिन क्रिकेट की खूबसूरती देखिए, यहां किसी बहस का आख़िरी फ़ैसला हमेशा शब्दों से नहीं होता। कभी-कभी एक बल्ला तमाम दलीलों पर भारी पड़ जाता है। वैभव ने आज उसी बल्ले से अपना जवाब लिखा और ऐसा लिखा कि आलोचना के सारे शब्द छोटे पड़ गए। दोहा के मैदान पर संयुक्त अरब अमीरात ने 50 ओवर में 8 विकेट पर 249 रन बनाए थे। लक्ष्य बड़ा नहीं तो छोटा भी नहीं था। लेकिन भारत ए की पारी शुरू हुई तो शायद ही किसी ने सोचा होगा कि यह मुक़ाबला जीत-हार से आगे निकलकर क्रिकेट इतिहास का एक ऐसा अफ़साना बन जाएगा, जिसे आने वाली पीढ़ियां भी याद करेंगी। वैभव सूर्यवंशी क्रीज़ पर आए और फिर गेंदबाज़ों के लिए जैसे हर रास्ता बंद होता चला गया। न उम्र का दबाव, न लक्ष्य का बोझ और न ही सामने खड़े गेंदबाज़ों का कोई ख़ौफ़। बल्ले से निकलती गेंदें कभी मैदान के इस पार गिरतीं तो कभी उस पार। चौके तो महज़ सात थे, लेकिन छक्कों की गिनती 28 तक पहुंच गई। जी हां, पूरे 28 छक्के! यह किसी एक पारी में लिस्ट ए क्रिकेट का नया विश्व रिकॉर्ड है। सिर्फ़ 16 गेंदों में अर्धशतक, 28 गेंदों में शतक और 40 गेंदों में 150 रन। इसके बाद तो वैभव ने अपनी बल्लेबाज़ी की रफ़्तार को एक ऐसे मुक़ाम पर पहुंचा दिया, जहां क्रिकेट के पुराने तमाम पैमाने बेमानी नज़र आने लगे। महज़ 52 गेंदों में दोहरा शतक और फिर 53वीं गेंद पर 204 रन बनाकर उनकी यह ऐतिहासिक पारी थमी। लिस्ट ए क्रिकेट में इतनी तेज़ी से दोहरा शतक आज तक किसी ने नहीं बनाया था। इससे पहले यह रिकॉर्ड न्यूज़ीलैंड के चैड बोवेस के नाम था, जिन्होंने 103 गेंदों में यह मुक़ाम हासिल किया था। वैभव ने उस रिकॉर्ड को लगभग आधी गेंदों में पीछे छोड़ दिया। यहां एक और दिलचस्प बात है। 204 रनों की इस पारी में भारत ए के कुल स्कोर में वैभव का योगदान लगभग 80 प्रतिशत रहा। भारत ए ने महज़ 14.2 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और सात विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ सेमीफाइनल का टिकट भी पक्का हो गया। लेकिन वैभव की इस पारी को सिर्फ़ रिकॉर्ड और आंकड़ों के चश्मे से देखना शायद उसके साथ इंसाफ़ नहीं होगा। इसके पीछे एक और कहानी है। वह कहानी, जिसमें कम उम्र में बड़ी उम्मीदों का बोझ है, असाधारण प्रतिभा के साथ जुड़ी असाधारण अपेक्षाएं हैं और हर मैच के बाद होने वाला मूल्यांकन भी है। किसी खिलाड़ी को आसमान पर पहुंचाने में जितनी जल्दी की जाती है, उसे नीचे उतारने में भी कभी-कभी उतनी ही जल्दबाजी दिखाई जाती है। वैभव के साथ भी ऐसा ही कुछ देखने को मिला। कुछ पारियों ने उसे चर्चा का चेहरा बनाया तो कुछ नाकामियों ने सवालों के कठघरे में खड़ा कर दिया। मगर आज उसने बता दिया कि प्रतिभा का असली इम्तिहान किसी एक दिन की नाकामी से नहीं होता। ज़रूरत होती है तो बस उस मौक़े की, जब खिलाड़ी अपने भीतर के भरोसे को मैदान पर उतार सके। वैभव ने आज वही किया। आलोचकों को जवाब देने के लिए उसने कोई बयान नहीं दिया, कोई सफ़ाई नहीं पेश की। बस क्रीज़ पर खड़ा हुआ और गेंद को बार-बार बाउंड्री के बाहर भेजता रहा। 15 साल की उम्र में दोहरा शतक लगाना अपने आप में एक असाधारण उपलब्धि है, लेकिन 52 गेंदों में इस मुक़ाम तक पहुंचना क्रिकेट की स्थापित सोच को चुनौती देने जैसा है। यह पारी बताती है कि उम्र प्रतिभा की सीमा तय नहीं करती और बड़े कारनामों के लिए हमेशा लंबा इंतज़ार भी जरूरी नहीं होता। वैभव सूर्यवंशी अभी अपने क्रिकेटिंग सफ़र के शुरुआती पड़ाव पर है। उसके सामने अभी बहुत से मुक़ाम हैं, बहुत सी चुनौतियां हैं। आज की तारीफ़ कल की गारंटी नहीं बन सकती और आज की नाकामी किसी खिलाड़ी की पूरी कहानी भी नहीं होती। इसलिए इस ऐतिहासिक पारी के जश्न के बीच उसे संभालना, सही मार्गदर्शन देना और उसके खेल को निखारना भी उतना ही ज़रूरी है। दोहा में आज 28 छक्कों ने सिर्फ़ गेंदों को सीमा पार नहीं पहुंचाया, उन्होंने उन तमाम सवालों को भी पीछे छोड़ दिया, जो वैभव की क़ाबिलियत पर उठाए जा रहे थे। कल तक जिस लड़के के चयन पर बहस हो रही थी, आज उसी के नाम के आगे विश्व रिकॉर्ड दर्ज है। कहते हैं कि इतिहास लिखने के लिए उम्र नहीं, हौसला चाहिए। वैभव ने आज इस कहावत को अपने बल्ले से सच कर दिखाया है। 15 साल का एक लड़का, 53 गेंदों की एक पारी, 204 रन और 28 छक्के... यह महज़ एक स्कोरकार्ड नहीं, एक ऐसी दास्तान है जिसके किरदार को अभी बहुत लंबा सफ़र तय करना है।

दोहा में आज वैभव ने सिर्फ़ दोहरा शतक नहीं बनाया, उसने अपनी उम्र से कहीं बड़ी एक कहानी लिख दी। और इस कहानी का सबसे खूबसूरत पहलू यही है कि इसे लिखने के लिए उसे किसी की कलम नहीं, अपने बल्ले का सहारा लेना पड़ा। जिन्हें कल तक उसके जवाब का इंतज़ार था, आज उनके सामने जवाब नहीं, 204 रनों का एक मुकम्मल इतिहास है!

धुरंधर चोटिल, नए खिलाड़ियों पर बढ़ा बोझ... मुश्किल में बिहार क्रिकेट!

सक़िबुल गनी से मंगल मेहरौर तक अहम खिलाड़ी प्रभावित, फिटनेस और मेडिकल व्यवस्था पर उठे सवाल

आइडियासिटी कुन्दन श्रीवास्तव



पटना। बिहार क्रिकेट के सामने इन दिनों विरोधियों से मुकाबले के साथ अपनी टीम को पूरी ताकत के साथ मैदान में उतारने की चुनौती भी है। घरेलू सत्र में कई अहम खिलाड़ियों के चोटिल होने से टीम का संतुलन प्रभावित हो रहा है। सक़िबुल गनी, मंगल मेहरौर, सक़िब हुसैन, रघुवेंद्र प्रताप सिंह और मोहम्मद इज़हार जैसे खिलाड़ियों की अनुपलब्धता ने टीम की मुश्किलें बढ़ाई हैं। सक़िब हुसैन का उत्तर प्रदेश के खिलाफ रणजी मुकाबले के लिए चयन हुआ था, लेकिन इंज्यूरी के कारण वह अंतिम एकादश में जगह नहीं बना सके। वहीं, गोवा के खिलाफ रणजी मुकाबले में सक़िबुल गनी की अनुपलब्धता का असर बल्लेबाजी पर पड़ा। मंगल मेहरौर की फिटनेस संबंधी परेशानी और अन्य खिलाड़ियों की चोटों ने टीम के विकल्प सीमित कर दिए हैं। नए खिलाड़ियों को मौका मिलना अच्छी बात है, लेकिन अनुभवी खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में अचानक बड़ी जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ जाती है। ऐसे में सवाल उठता है कि खिलाड़ियों की नियमित फिटनेस जांच, इलाज और रिहैबिलिटेशन की व्यवस्था कितनी प्रभावी है? क्या मैदान पर वापसी से पहले उनकी मैच फिटनेस का पूरा आकलन किया जा रहा है? बीसीए को खिलाड़ियों की मेडिकल देखभाल और फिटनेस व्यवस्था की समीक्षा करनी चाहिए। बिहार पहले ही रणजी ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में चुनौतियों से जूझ रहा है। चोटें खेल का हिस्सा हैं, लेकिन लगातार अहम खिलाड़ियों का बाहर होना केवल दुर्भाग्य मानकर नहीं छोड़ा जा सकता। बिहार को विरोधियों से मुकाबला करना है, अपनी ही चोटों से नहीं।

समन्वय बैठक में जनप्रतिनिधियों के अपमान का आरोप, नगर सभापति ने डीएम से मांगा न्याय

कार्यपालक पदाधिकारी के व्यवहार पर जताई नाराजगी, निष्पक्ष जांच और निर्वाचित प्रतिनिधियों के सम्मान की उठाई मांग

आइडियासिटी संवाददाता

खगड़िया। नगर परिषद में विकास कार्यों और प्रशासनिक समन्वय को लेकर आयोजित बैठक अब विवादों में आ गई है। 23 नवंबर को अनुमंडल पदाधिकारी धनंजय कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में जनप्रतिनिधियों के साथ कथित दुर्व्यवहार का आरोप लगा है। नगर सभापति अर्चना कुमारी ने इस संबंध में जिला पदाधिकारी को पत्र लिखकर निष्पक्ष जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। सभापति के अनुसार, बैठक का उद्देश्य विधायक, सशक्त स्थायी समिति के सदस्यों और अन्य जनप्रतिनिधियों के बीच समन्वय स्थापित कर नगर विकास से जुड़े मुद्दों का समाधान निकालना था। लेकिन कार्यपालक पदाधिकारी सिंधु कमल का व्यवहार और संवाद का तरीका निराशाजनक रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि जनप्रतिनिधियों की बातों को उचित महत्व नहीं दिया गया और एक पक्ष को अधिक तरजीह दी गई। अर्चना कुमारी ने बताया कि बैठक में विधायक को भी कई बार हस्तक्षेप करना पड़ा। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से सम्मानपूर्वक संवाद करने और सभी पक्षों को समान अवसर देने की बात कही। सभापति ने बैठक में जनप्रतिनिधियों के खिलाफ रखी गई बातों को भी मनगढ़ंत बताया।

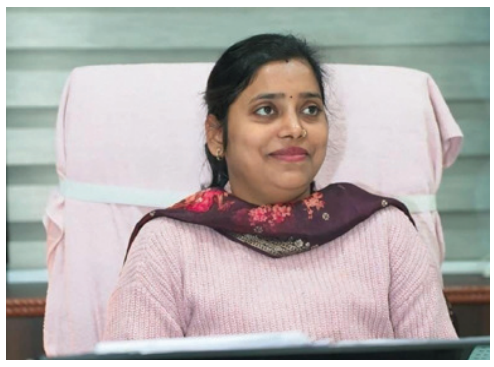

उन्होंने सवाल उठाया कि यदि जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों की बातों को ही महत्व नहीं मिलेगा, तो वे जनता की समस्याएं कैसे उठाएंगे? सभापति ने डीएम से पूरे मामले की निष्पक्ष समीक्षा, निर्वाचित प्रतिनिधियों के अधिकार और सम्मान सुनिश्चित करने तथा अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक विवाद का असर नगर के विकास और आम जनता के हित पर नहीं पड़ना चाहिए।

सुशासन दिवस के मंच पर मारपीट का आरोप, जदयू की अंदरूनी कलह आई सामने

आइडियासिटी संवाददाता

खगड़िया। सुशासन और अनुशासन का संदेश देने के लिए आयोजित जदयू के सुशासन दिवस सह नीतीश संवाद कार्यक्रम में पार्टी नेताओं के बीच विवाद की खबर से राजनीतिक हलचल मच गई। शहर के खेल भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पूर्व युवा जिलाध्यक्ष सावन कुमार बंटी और वर्तमान जिलाध्यक्ष के बीच कहासुनी के बाद मारपीट होने की चर्चा है। जानकारी के अनुसार, किसी बात को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते बढ़ गया। आरोप है कि दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की हुई और लात-घूंसे के साथ चप्पल-जूते भी चले। हालांकि, विवाद की वजह और घटना के पूरे क्रम की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि घटना के समय बिहार सरकार के मंत्री मदन सहनी, विधायक और कार्यक्रम प्रभारी समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। 24 नवंबर को आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य नीतीश कुमार के कार्यकाल की उपलब्धियों और सुशासन की चर्चा करना था। लेकिन विवाद की खबर ने आयोजन के उद्देश्य से अधिक पार्टी के अंदरूनी समन्वय को चर्चा में ला दिया है।

कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब, हर-हर गंगे से गूंजा तेघड़ा

बोल्डर घाट पर महीनेभर से चल रहा अखंड रामायण पाठ बना आकर्षण, जर्जर सड़क से श्रद्धालुओं को हुई परेशानी

आइडियासिटी संवाददाता



बेगूसराय। कार्तिक पूर्णिमा पर मंगलवार को तेघड़ा प्रखंड के विभिन्न गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। अहले सुबह से ही गंगा स्नान के लिए लोगों का पहुंचना शुरू हो गया। हर-हर गंगे और जय गंगा मैया के जयघोष के बीच श्रद्धालुओं ने स्नान कर पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। पिढ़ौली डीहबार बाबा थान, रातगांव बिसौआ, अजगर बर, अयोध्या-मिथिला, महादेव, बजलपुरा, बोल्डर, मधुरापुर और निपनिया-मधुरापुर सहित कई घाटों पर भीड़ रही। बोल्डर घाट पर एक महीने से चल रहा अखंड रामायण पाठ विशेष आकर्षण बना। सामाजिक कार्यकर्ता दीपक सिंह के नेतृत्व में भक्त 24 घंटे रामचरितमानस का पाठ कर रहे हैं। वहीं, अयोध्या-मिथिला घाट जाने वाली सड़क जर्जर होने से श्रद्धालुओं को परेशानी हुई। कई लोगों ने वाहन बांध के पास खड़े कर पैदल यात्रा की। सुरक्षा के लिए अपर थानाध्यक्ष नीरज कुमार ठाकुर और एसआई अनिता कुमारी पुलिस बल के साथ घाटों पर मुस्तैद रहीं। स्थानीय गोताखोरों ने भी निगरानी की।

कार्तिक पूर्णिमा पर पंचाने नदी में उमड़ा आस्था का सैलाब, हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

चेंजिंग रूम और शौचालय की कमी से महिला श्रद्धालु परेशान, सुरक्षा में चार दर्जन पुलिसकर्मी तैनात

आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ : कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर मंगलवार को बिहारशरीफ के कोसुक गांव स्थित पंचाने नदी घाट पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह की ठंड और धुंध भी श्रद्धालुओं के उत्साह को कम नहीं कर सकी। 'गोविंद नक्षत्र' के विशेष पुण्य लाभ की कामना लेकर अहले सुबह से ही ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु कोसुक घाट पहुंचे। हर-हर गंगे और बाबा चौहरमल के जयकारों के बीच लोगों ने पंचाने नदी में पवित्र डुबकी लगाई।

स्नान, तुलसी पूजन और दीपदान से भक्तिमय हुआ घाट

स्नान के बाद नदी तट पर धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला शुरू हो गया। महिलाओं ने तुलसी पूजन कर परिवार की सुख-समृद्धि और मंगलकामना की। नदी की धार और घाट किनारे दीपदान कर श्रद्धालुओं ने परंपरा निभाई। इसके बाद लोगों ने ऐतिहासिक बाबा चौहरमल मंदिर में पूजा-अर्चना की।

सूथनी-परम से लेकर लकड़ी के सामान तक की खूब खरीदारी

घाट के समीप लगे पारंपरिक मेले में भी खूब रौनक रही। वर्षों पुरानी परंपरा के अनुसार लोगों ने मौसमी कंदमूल सूथनी और परम की खरीदारी की। ग्रामीण कारीगरों के पीढ़ा, लाठी और लकड़ी से बने घरेलू सामानों की दुकानों पर भी भीड़ उमड़ी। बच्चों के खिलौने और महिलाओं के श्रृंगार की दुकानें आकर्षण का केंद्र बनी रहीं।

सुरक्षा में पुलिस मुस्तैद, चार दर्जन जवानों ने संभाली कमान

भीड़ को नियंत्रित करने के लिए दीपनगर थानाध्यक्ष सुमन कुमार स्वयं मोर्चा संभाले रहे। उनकी निगरानी में करीब चार दर्जन पुलिस पदाधिकारी और जवान घाट, मेला परिसर और प्रमुख मार्गों पर गश्त करते रहे।





आस्था के मेले में बुनियादी सुविधाओं की कमी ने बढ़ाई परेशानी

हालांकि, भारी भीड़ के बीच प्रशासनिक इंतजामों की कमियां भी सामने आईं। महिला श्रद्धालुओं के लिए महज दो अस्थायी चेंजिंग रूम बनाए गए थे, जो भीड़ के लिहाज से नाकाफी साबित हुए। वहीं, पूरे मेला परिसर में अस्थायी शौचालय की व्यवस्था भी नहीं दिखी। इससे दूर-दराज से आई महिलाओं को वस्त्र बदलने और शौचालय जाने में परेशानी का सामना करना पड़ा। श्रद्धालुओं ने इस अव्यवस्था पर नाराजगी जताई। सवाल यह है कि हर साल उमड़ने वाली इतनी बड़ी भीड़ के बावजूद बुनियादी सुविधाओं की मुकम्मल व्यवस्था क्यों नहीं हो पाती?

नीतीश के गृह जिले में जदयू का 'नीतीश संवाद' बना नाराजगी का मंच

पूर्व प्रत्याशी असगर शमीम ने खोली संगठन की पोल!

आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा में जदयू की एकजुटता का संदेश देने के लिए आयोजित 'नीतीश संवाद' कार्यक्रम में पार्टी की अंदरूनी खींचतान खुलकर सामने आ गई। सुशासन और विकास के 20 वर्षों की उपलब्धियां गिनाने के लिए जुटे नेताओं के बीच उस समय असहज स्थिति पैदा हो गई, जब बिहारशरीफ विधानसभा के पूर्व जदयू प्रत्याशी मोहम्मद असगर शमीम ने अपनी उपेक्षा को लेकर आयोजकों पर नाराजगी जाहिर कर दी। उनका आरोप था कि पार्टी के पुराने और समर्पित नेताओं को अब सम्मान तक नहीं दिया जा रहा है। बिहारशरीफ के कर्पूरी सभागार में नगर जिला जदयू अध्यक्ष प्रद्युम्न कुमार की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता मौजूद थे। लेकिन पूर्व प्रत्याशी असगर शमीम को मंच पर आमंत्रित नहीं किया गया। वे आम कार्यकर्ताओं के बीच नीचे बैठे रहे। इसे उन्होंने अपनी राजनीतिक और संगठनात्मक हैसियत की अनदेखी माना।

मंच से उतरकर मनाने पहुंचे महासचिव, फिर भी नहीं माने शमीम

माहौल बिगड़ता देख जदयू महासचिव सह दिल्ली प्रभारी इंजीनियर सुनील कुमार स्वयं मंच से नीचे उतरे और असगर शमीम को मनाने पहुंचे। उन्होंने उन्हें मंच पर आने का आग्रह किया, लेकिन शमीम तत्काल तैयार नहीं हुए। कुछ देर तक अपनी नाराजगी पर अड़े रहने के बाद अन्य नेताओं के समझाने पर वे मंच पर पहुंचे।

'पार्टी में दलाल और पैसे कमाने वाले लोग भर गए हैं'अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए असगर शमीम ने स्थानीय संगठन के कामकाज पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि जदयू में अब पुराने और समर्पित कार्यकर्ताओं की कोई कद्र नहीं रह गई है। पार्टी में दलाल और पैसे कमाने वाले लोग हावी हो गए हैं। उन्होंने कहा कि लगातार दूसरी बार पूर्व प्रत्याशियों को मंच पर नहीं बुलाया जाना वरिष्ठ नेताओं का अपमान है। शमीम ने नीतीश कुमार को सर्वमान्य नेता बताते हुए कहा कि उन्हीं ने उन्हें पहचान दी, लेकिन अब पार्टी में पहले जैसी बात नहीं रह गई है।

मंत्री रामनाथ ठाकुर ने विवाद पर खींची चुप्पी

कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने नालंदा की धरती को प्रणाम करते हुए नीतीश कुमार के 20 वर्षों के शासन और विकास कार्यों की चर्चा की। हालांकि, कार्यक्रम के बाद जब पत्रकारों ने उनसे असगर शमीम की नाराजगी पर सवाल किया तो उन्होंने सीधे जवाब देने से परहेज किया। उन्होंने कहा कि सभी लोग मंच पर बैठे हैं, लेकिन अब विवादित बातें शुरू हो गई हैं। हाथ जोड़कर उन्होंने मामले को समाप्त करने की अपील की और संगठन को मजबूत बताते हुए कहा कि परिवार में सभी एकजुट हैं।

सवाल संगठन की कार्यशैली पर

नीतीश कुमार के गृह जिले में आयोजित इस कार्यक्रम ने पार्टी के भीतर सम्मान, भागीदारी और पुराने नेताओं की भूमिका को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

मंच पर एक नेता को जगह देने के लिए महासचिव को खुद नीचे उतरना पड़े, यह महज बैठने की व्यवस्था का मामला नहीं, बल्कि संगठन के अंदर संवाद और समन्वय की स्थिति पर भी सवाल खड़े करता है।

नशे के कारोबार पर शिकंजा कसने की तैयारी, लंबित एनडीपीएस मामलों पर एसपी सख्त

बिहार थाना में समीक्षा बैठक कर दिए त्वरित निष्पादन के निर्देश, साक्ष्य संकलन और कानूनी प्रक्रिया में लापरवाही बर्दाश्त नहीं



आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ । नशे के कारोबार और मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े मामलों में पुलिस की कार्रवाई को प्रभावी बनाने के साथ अब लंबित कांडों के निष्पादन पर भी जोर दिया जा रहा है। इसी कड़ी में एसपी हृदयकांत ने सोमवार को बिहार थाना में एनडीपीएस (मादक पदार्थ) मामलों की समीक्षा बैठक की। इसमें लंबित कांडों की प्रगति की बारी-बारी से पड़ताल की गई। एसपी ने संबंधित अनुसंधानकर्ताओं से मामलों की अद्यतन स्थिति पूछी और अनुसंधान के दौरान सामने आ रही बाधाओं की जानकारी ली। समीक्षा के दौरान एसपी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी लंबित एनडीपीएस कांडों का अतिशीघ्र और गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। अनुसंधानकर्ता साक्ष्यों के संकलन, गवाहों के बयान और निर्धारित कानूनी प्रक्रियाओं का विशेष ध्यान रखें, ताकि आरोपितों के विरुद्ध न्यायालय में मजबूत साक्ष्य प्रस्तुत किए जा सकें। उन्होंने कहा कि केवल कांड दर्ज करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि अनुसंधान को इस स्तर तक पूरा करना जरूरी है कि दोषियों को कानून के अनुसार सजा दिलाई जा सके।

एसपी ने समय सीमा के भीतर अनुसंधान पूरा करने का निर्देश देते हुए साफ कहा कि मामलों के निष्पादन में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में डीएसपी अमरनाथ, बिहार थानाध्यक्ष रंजीत कुमार रजक सहित संबंधित कांडों के अनुसंधानकर्ता मौजूद थे।



तेज रफ्तार कार ने बाइक में मारी टक्कर, 20 वर्षीय युवक की मौत : दोस्त गंभीर रूप से जख्मी

आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ । सड़क पर तेज रफ्तार का कहर एक बार फिर परिवार की खुशियां छीन ले गया। चंडी थाना क्षेत्र के एनएच-431 स्थित पटना-जैतीपुर मार्ग पर माधोपुर गांव के समीप सोमवार की शाम कार की टक्कर से बाइक सवार 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से जख्मी हो गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। मृतक की पहचान माधोपुर निवासी दिलीप साव के पुत्र विकास कुमार के रूप में की गई है। वहीं, घायल युवक माधोपुरडीह निवासी गौतम कुमार है।

परिजनों के अनुसार, विकास और गौतम रामघाट से बाइक पर सवार होकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान बिहारशरीफ की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने माधोपुर के पास उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन तब तक विकास की मौत हो चुकी थी। गौतम का अस्पताल में इलाज चल रहा है।मृतक के भाई विक्की ने बताया कि विकास मछली लेकर घर आया था। इसके बाद वह बाहर निकल गया था। किसी को अंदाजा नहीं था कि कुछ ही देर बाद हादसे की खबर परिवार तक पहुंचेगी। चंडी थानाध्यक्ष अखिलेश झा ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त कार को जब्त कर लिया गया है। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस उसकी पहचान और गिरफ्तारी के लिए आगे की कार्रवाई कर रही है।

जंगलराज से सुशासन तक बिहार के सफर का बखान, जदयू ने गिनाई नीतीश सरकार की 20 साल की उपलब्धियां



आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ । दो दशक पहले का बिहार और आज का बिहार... इन दोनों तस्वीरों के बीच आए बदलाव को जनता तक पहुंचाने के उद्देश्य से जदयू ने मंगलवार को सुशासन दिवस पर बिहारशरीफ के टाउन हॉल में 'नीतीश संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें पार्टी नेताओं ने वर्ष 2005 के बाद बिहार में हुए राजनीतिक, सामाजिक और विकासात्मक बदलावों को रेखांकित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार को नई पहचान मिली है। जदयू के लिए 24 नवंबर की तारीख राजनीतिक और ऐतिहासिक महत्व रखती है। वर्ष 2005 में इसी दिन नीतीश कुमार ने पहली बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में पूर्ण कार्यकाल वाली सरकार की कमान संभाली थी। इसी स्मृति में पार्टी ने 24 नवंबर को सुशासन दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इसके तहत राज्य के सभी 38 जिलों में नीतीश संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

सड़क, बिजली, शिक्षा और महिला सशक्तीकरण पर जोर

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि एक समय बिहार की पहचान खराब सड़कों, बिजली संकट, कमजोर कानून-व्यवस्था और पलायन जैसी समस्याओं से होती थी। वर्ष 2005 के बाद शासन की प्राथमिकताओं में बदलाव आया। गांवों तक सड़कों का विस्तार, बिजली की उपलब्धता, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार, बालिकाओं को प्रोत्साहन, पंचायतों में महिलाओं को आरक्षण तथा जीविका समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने जैसे कदमों ने सामाजिक बदलाव की राह खोली। केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर ने अपने संबोधन में कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, कानून-व्यवस्था और महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में हुए कार्यों ने बिहार की तस्वीर बदलने में अहम भूमिका निभाई है। जदयू का यह अभियान सरकार के दो दशक के कार्यकाल की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने पर केंद्रित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रद्युम्न कुमार ने की। मौके पर विधायक हरिनारायण सिंह, कृष्ण मुरारी शरण, कौशल किशोर, जितेंद्र कुमार, रोहेल रंजन, जिलाध्यक्ष मोहम्मद अरशद, राष्ट्रीय महासचिव इंजीनियर सुनील कुमार, सहित बड़ी संख्या में नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पुलिस लाइन में प्रशिक्षु सिपाहियों की परखी गई वर्दी और अनुशासन, एसपी ने मेस की व्यवस्था का भी लिया जायजा

प्रशिक्षण की गुणवत्ता और पुलिस सेवा के मानकों पर दिया जोर, कर्तव्यनिष्ठा के साथ जिम्मेदारी निभाने की सीख

आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ । पुलिस की वर्दी केवल पहचान नहीं, बल्कि अनुशासन, जिम्मेदारी और जनता के प्रति जवाबदेही का प्रतीक है। इसी भावना के साथ एसपी हृदयकांत ने मंगलवार को पुलिस केंद्र में नव नियुक्त प्रशिक्षु सिपाहियों के प्रशिक्षण और उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षु जवानों के टर्नआउट की जांच की और वर्दी, पहनावे, साफ-सफाई तथा अनुशासन से जुड़े निर्धारित मानकों का जायजा लिया।



वर्दी से लेकर साफ-सफाई तक की हुई जांच

निरीक्षण के दौरान एसपी ने प्रशिक्षु सिपाहियों की वर्दी और उनके व्यक्तिगत टर्नआउट पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने प्रशिक्षण की प्रगति के संबंध में संबंधित पदाधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। साथ ही प्रशिक्षण की गुणवत्ता बनाए रखने और निर्धारित मानकों का सख्ती से पालन कराने का निर्देश दिया।



मेस पहुंचकर भोजन और सुविधाओं की ली जानकारी

एसपी ने पुलिस केंद्र स्थित मेस का भी निरीक्षण किया। यहां प्रशिक्षु सिपाहियों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन और अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान जवानों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया, ताकि वे शारीरिक और मानसिक रूप से बेहतर तैयारी कर सकें। एसपी ने प्रशिक्षु सिपाहियों को अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और पुलिस सेवा की जिम्मेदारियों के प्रति गंभीर रहने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि पुलिस बल की कार्यकुशलता का आधार बेहतर प्रशिक्षण और अनुशासन है। इसलिए प्रशिक्षण के प्रत्येक चरण में निर्धारित मानकों का पालन जरूरी है। मौके पर मेजर राजमणि सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

वेना में गांजे के साथ एक गिरफ्तार, 500 ग्राम मादक पदार्थ बरामद : पुलिस की छापेमारी से मचा हड़कंप

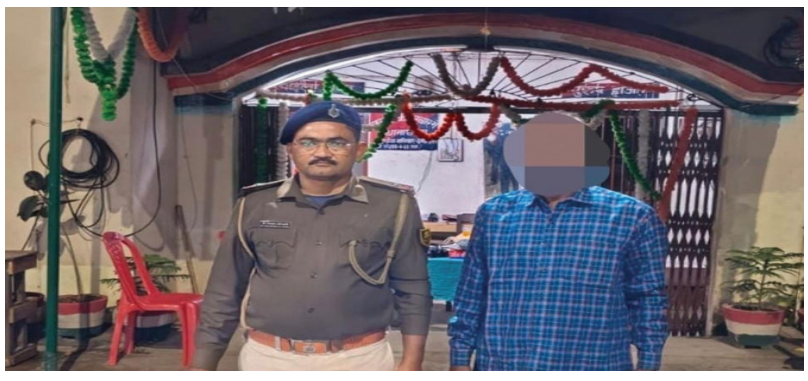

आइडियासिटी संवाददाता

नालंदा। नालंदा में अवैध मादक पदार्थों के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। इसी अभियान के तहत वेना थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर 500 ग्राम गांजा के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई वेना थाना क्षेत्र के वेना गांव में की गई। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में अवैध मादक पदार्थों के कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मचा है। पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक नालंदा के निर्देश पर जिलेभर में मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री और तस्करी के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में वेना पुलिस को गांजा के अवैध कारोबार की सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने वेना गांव में छापेमारी की और एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया।

अवधेश प्रसाद के पास से मिला 500 ग्राम गांजा

गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान वेना गांव निवासी अवधेश प्रसाद, पिता स्वर्गीय रामलखन दास के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से 500 ग्राम गांजा बरामद किया है। इस संबंध में नालंदा पुलिस अधीक्षक की ओर से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी गई है। वेना थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत अग्रतर विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर रोक लगाने के लिए पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा।



उम्र को मात देकर जीविका दीदियों ने रचा सफलता का इतिहास, मैट्रिक में 35 महिलाएं पास

परवलपुर की पिंकी ने 79.6 प्रतिशत अंक लाकर बढ़ाया जिले का मान, 18 प्रथम और 17 द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण



आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ । उम्र की कोई सीमा नहीं होती और सपनों को पूरा करने की कोई आखिरी तारीख भी नहीं। कभी घर-परिवार की जिम्मेदारियों और आर्थिक तंगी के कारण जिन महिलाओं की पढ़ाई बीच में छूट गई थी, उन्होंने अब दोबारा किताबें उठाकर अपनी मंजिल हासिल कर ली है। बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड (बीबीओएसई), पटना की मैट्रिक परीक्षा में नालंदा की जीविका दीदियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सफलता की नई कहानी लिखी है। जिले की 35 महिलाएं परीक्षा में शामिल हुईं और सभी सफल रहीं। परवलपुर प्रखंड की पिंकी देवी ने 500 में 398 अंक प्राप्त कर जिले में पहला स्थान हासिल किया। उन्हें 79.6 प्रतिशत अंक मिले। बिहारशरीफ की निभा कुमारी 358 अंक (71.6 प्रतिशत) के साथ दूसरे और अनार देवी 340 अंक (68 प्रतिशत) प्राप्त कर तीसरे स्थान पर रहीं। सफल अभ्यर्थियों में 18 महिलाओं ने प्रथम और 17 ने द्वितीय श्रेणी हासिल की।

48 में 35 ने दी परीक्षा, सभी के हाथ लगी सफलता

जिले में कुल 48 अभ्यर्थियों का रिकॉर्ड दर्ज है। इनमें 35 महिलाएं परीक्षा में शामिल हुईं, जबकि 13 अनुपस्थित रहीं। अन्य सफल अभ्यर्थियों में बिहारशरीफ की तनुजा कुमारी ने 339 अंक हासिल किए। बिहारशरीफ, परवलपुर, सिलाव, अस्थावां, हरनौत, राजगीर, गिरियक, नूरसराय, थरथरी और बेन प्रखंड की महिलाओं ने भी सफलता का परचम लहराया।

जीविका से जुड़कर फिर शुरू की पढ़ाई

पारिवारिक जिम्मेदारियों, आर्थिक तंगी और सामाजिक परिस्थितियों के कारण कई महिलाओं की शिक्षा बचपन में ही छूट गई थी। जीविका से जुड़ने के बाद उन्हें दोबारा पढ़ाई का अवसर मिला। उन्होंने उम्र की परवाह किए बिना मेहनत की और परीक्षा पास कर साबित किया कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती।

अगले सत्र में 400 दीदियों को परीक्षा दिलाने का लक्ष्य

जीविका के डीपीएम संजय प्रसाद पासवान ने बताया कि वर्ष 2026-27 में जिले की 400 जीविका दीदियों को मैट्रिक परीक्षा में शामिल कराने का लक्ष्य है। इसके लिए प्रखंड स्तर पर जागरूकता, निबंधन, ऑनलाइन कक्षाओं और दीदी की लाइब्रेरी के माध्यम से पढ़ाई में सहयोग दिया जा रहा है।

बाइक की डिक्की बनी शराब ढोने का ठिकाना : 30 लीटर देसी शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

आइडियासिटी संवाददाता

नालंदा। शराबबंदी वाले बिहार में अवैध शराब के कारोबारियों ने तस्करी के नए-नए तरीके अपना रखे हैं। अब बाइक की डिक्की को ही शराब ढोने का जरिया बनाया जा रहा है। हालांकि, वेना थाना पुलिस की सतर्कता से एक कारोबारी की यह तरकीब काम नहीं आई। पुलिस ने मुर्गियाचक-सुपासंग रोड पर कार्रवाई करते हुए बाइक की डिक्की में छिपाकर ले जाई जा रही 30 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। वेना थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि मुर्गियाचक-सुपासंग रोड स्थित सामुदायिक भवन छठ घाट के पास से एक व्यक्ति बाइक की डिक्की में छिपाकर देसी शराब लेकर गुजरने वाला है। सूचना का सत्यापन करने के बाद पुलिस टीम ने निर्धारित स्थान पर घेराबंदी कर संदिग्ध बाइक सवार को रोक लिया। तलाशी के दौरान बाइक की डिक्की से 30 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नूरसराय थाना क्षेत्र के मलविघा गांव निवासी मोहन कुमार, पिता स्वर्गीय मनेजर यादव के रूप में की गई है। पुलिस ने शराब के साथ बाइक को भी जब्त कर लिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा।

कोसुक के पास भीषण सड़क हादसा, बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत : दो गंभीर घायल

टोटो से जोरदार टक्कर के बाद मचा कोहराम, आक्रोशित ग्रामीणों ने बिहारशरीफ-राजगीर मुख्य मार्ग किया जाम



आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ । नालंदा में एक बार फिर रफ्तार का कहर देखने को मिला। दीपनगर थाना क्षेत्र के कोसुक गांव के पास भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। वहीं, युवक की मौत से गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने बिहारशरीफ-राजगीर मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। आक्रोशित लोग मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग कर रहे थे।

टोटो से टकराई अनियंत्रित बाइक, तीनों युवक हुए हादसे का शिकार

घटना के संबंध में बताया जाता है कि बाइक पर सवार तीन युवक गांव से बिहारशरीफ की ओर आ रहे थे। इसी दौरान कोसुक गांव के समीप उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई और सड़क पर चल रहे एक टोटो से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार तीनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से जख्मी हो गए। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

मौत की खबर मिलते ही सड़क पर उतरे ग्रामीण, मार्ग किया जाम

हादसे की खबर मिलते ही मृतक के परिजनों और स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। गुस्साए लोगों ने बिहारशरीफ-राजगीर मुख्य मार्ग पर आवागमन बाधित कर दिया। ग्रामीण मृतक के परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग पर अड़ गए। सड़क जाम होने से दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

इधर, सड़क जाम की सूचना मिलते ही दीपनगर थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया। फिलहाल पुलिस लोगों को शांत कराकर जाम हटवाने में जुटी है। इस दर्दनाक हादसे के बाद मृतक के परिवार में मातम पसरा है, वहीं गांव में शोक और आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

हरनौत ओवरब्रिज पर अनियंत्रित होकर पलटा सवारियों से भरा सीएनजी ऑटो, तीन-चार यात्री जख्मी

आइडियासिटी संवाददाता

हरनौत । हरनौत बाजार स्थित ओवरब्रिज पर मंगलवार की दोपहर एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। बख्तियारपुर से बिहारशरीफ की ओर जा रहा सवारियों से भरा सीएनजी ऑटो अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराया और सड़क पर पलट गया। हादसे में ऑटो पर सवार तीन से चार यात्रियों के जख्मी होने की सूचना है। इनमें कुछ लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद ओवरब्रिज पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग घायलों की मदद के लिए दौड़ पड़े। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा मंगलवार दोपहर करीब 2:30 बजे हुआ। सीएनजी ऑटो बख्तियारपुर से यात्रियों



को लेकर बिहारशरीफ की ओर जा रहा था। जैसे ही वह हरनौत बाजार स्थित ओवरब्रिज पर पहुंचा, चालक का संतुलन बिगड़ गया। इसके बाद ऑटो सीधे डिवाइडर से टकराकर सड़क पर पलट गया। अचानक हुए हादसे में ऑटो पर सवार यात्रियों को चोटें आईं।

डायल-112 ने संभाला मोर्चा, घायलों को अस्पताल पहुंचाया

हादसे की सूचना मिलते ही डायल-112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकाला और इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल पहुंचाया। हरनौत थानाध्यक्ष मुकेश कुमार वर्मा ने बताया कि दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया था। घायलों की पहचान और उनके निवास स्थान की जानकारी जुटाई जा रही है। उन्होंने बताया कि हादसे में कुछ लोगों को गंभीर चोटें आई हैं।

पुलिस घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी ले रही है।



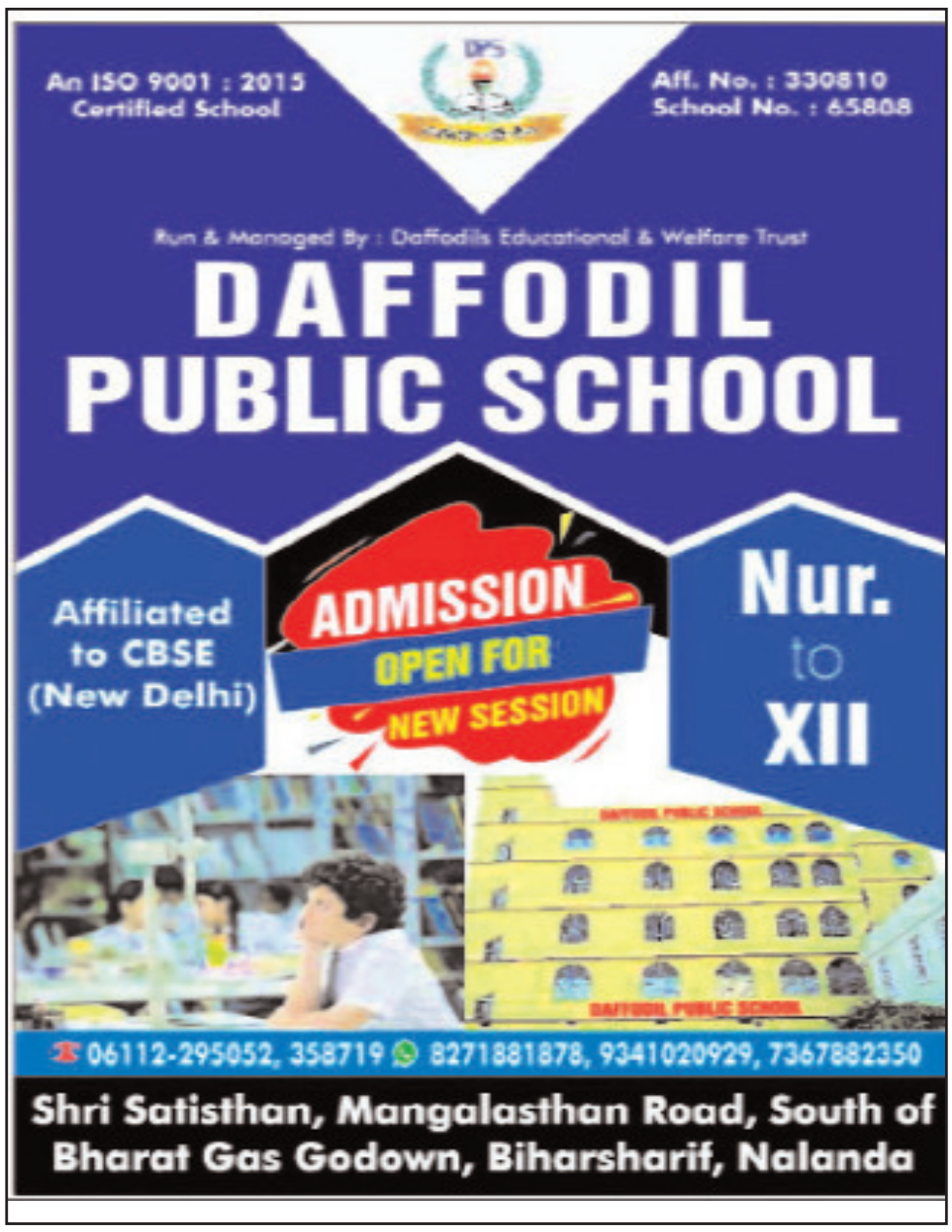

26 नवंबर से सजेगी राजगीर महोत्सव की सांस्कृतिक महफिल, उप मुख्यमंत्री करेंगे उद्घाटन

तीन दिनों तक देश के नामचीन कलाकार बिखेरेंगे सुरों का जादू

जिलाधिकारी और एसपी ने तैयारियों का किया समीक्षा

आइडियासिटी संवाददाता

राजगीर। पर्यटन विभाग, बिहार सरकार एवं जिला प्रशासन, नालंदा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले ऐतिहासिक राजगीर महोत्सव 2026 की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। महोत्सव को भव्य, आकर्षक और आम लोगों के लिए सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी उदिता सिंह एवं पुलिस अधीक्षक हृदय कांत ने बुधवार को कार्यक्रम स्थल स्टेट गेस्ट हाउस मैदान में तैयारियों की गहन समीक्षा की। बैठक में जिला एवं स्थानीय स्तर के वरीय पदाधिकारियों के साथ-साथ महोत्सव के लिए चयनित सभी कार्यदायी एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। अधिकारियों ने अब तक की तैयारियों की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। राजगीर महोत्सव का विधिवत उद्घाटन 26 नवंबर 2026 को शाम पांच बजे स्टेट गेस्ट हाउस मैदान में बिहार के उप मुख्यमंत्री सह जल संसाधन एवं संसदीय कार्य विभाग के मंत्री तथा नालंदा जिले के प्रभारी मंत्री विजय कुमार चौधरी करेंगे। इस वर्ष महोत्सव की थीम 'वैश्विक पर्यटन की ओर अग्रसर' रखी गई है। 26 से 28 नवंबर तक तीन दिनों तक प्रतिदिन शाम में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। महोत्सव के पहले दिन 26 नवंबर को उद्घाटन समारोह के बाद छऊ



नृत्य की प्रस्तुति होगी। इसके बाद सुप्रसिद्ध बॉलीवुड गायक मोहम्मद इरफान और स्थानीय कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। 27 नवंबर को बॉलीवुड की प्रसिद्ध गायिका हर्षदीप कौर अपनी आवाज का जादू बिखेरेंगी। वहीं, 28 नवंबर को चर्चित एमजे-5 नृत्य समूह और सुप्रसिद्ध पार्श्व गायिका रिया भट्टाचार्य सहित अन्य कलाकारों की प्रस्तुतियां होंगी। समीक्षा बैठक में पुलिस अधीक्षक हृदय कांत ने यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि महोत्सव के दौरान शहर में जाम की समस्या नहीं होनी चाहिए। कार्यक्रम स्थल के समीप तीन मुख्य पार्किंग स्थल बनाए गए हैं। इसके अलावा पांडु पोखर सहित शहर के विभिन्न चिह्नित स्थानों पर भी वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था की गई है। उन्होंने निर्देश दिया कि पार्किंग स्थलों पर वाहनों को प्रवेश द्वार से नहीं, बल्कि अंतिम छोर से कतारबद्ध तरीके से खड़ा कराया जाए, ताकि अंदर जाम की स्थिति उत्पन्न न हो। शहर के सभी प्रवेश द्वारों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती कर भीड़ नियंत्रण की प्रभावी व्यवस्था की जाएगी। जिलाधिकारी ने स्वच्छता पर विशेष ध्यान देते हुए सभी संबंधित पदाधिकारियों और एजेंसियों को टीम भावना के साथ काम करने का निर्देश दिया। कार्यक्रम स्थल पर शौचालय, स्वच्छ पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। इन व्यवस्थाओं की प्रत्येक घंटे निगरानी की जाएगी, ताकि आगंतुकों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। दर्शकों की सुविधा के लिए मुख्य पंडाल के अंदर छह एलईडी स्क्रीन और मैदान के बाहर तीन एलईडी स्क्रीन लगाई जा रही हैं। जिलाधिकारी ने व्यंजन मेला परिसर में भी एक अतिरिक्त एलईडी स्क्रीन लगाने का निर्देश दिया, ताकि लोग व्यंजनों का आनंद लेते हुए मुख्य मंच पर चल रहे सांस्कृतिक कार्यक्रमों को देख सकें। इसके साथ ही पुस्तक मेला, व्यंजन मेला और विभिन्न विभागों के प्रदर्शनी स्टॉल के आवंटन की सूची जल्द अंतिम रूप देने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि स्थानीय और बाहर से आने वाले सभी कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए पर्याप्त और सम्मानजनक समय दिया जाए। साथ ही उनकी प्रस्तुति समाप्त होने के तुरंत बाद पारिश्रमिक का भुगतान सुनिश्चित करने को कहा गया। महोत्सव के दौरान आयोजित होने वाली दंगल (कुश्ती) प्रतियोगिता की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। इसके लिए अखाड़े में मिट्टी डालने का काम पूरा हो चुका है। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए अब तक लगभग 50 से 60 पहलवानों ने पंजीकरण कराया है। वहीं, महिला महोत्सव की तैयारियां भी अंतिम चरण में हैं। इसके व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए स्कूलों और कॉलेजों में विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। महिला महोत्सव के दौरान नशामुक्ति और साइबर अपराध जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी, ताकि समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा सके। जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि स्कूली बच्चों को राजगीर महोत्सव का भ्रमण कराया जाए, ताकि वे अपनी समृद्ध संस्कृति, कला और पारंपरिक व्यंजनों से परिचित हो सकें। इसके अलावा स्थानीय सामग्री निर्माता युवाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रील निर्माण प्रतियोगिता आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। इसमें आकर्षक, ज्ञानवर्धक और मनोरंजक रील बनाने वाले प्रतिभागियों को प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार के साथ 10 सांत्वना पुरस्कार और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। अंत में जिला प्रशासन ने नालंदा जिले के लोगों और देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों से सपरिवार राजगीर महोत्सव 2026 में शामिल होकर इस सांस्कृतिक उत्सव का आनंद लेने की अपील की है।

कार्तिक पूर्णिमा पर पंचाने नदी और त्रिवेणी धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई पुण्य की डुबकी

आइडियासिटी संवाददाता

गिरियक। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर मंगलवार को गिरियक की पंचाने नदी और चोरसुआ स्थित त्रिवेणी धाम में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। दोनों धार्मिक स्थलों पर अहले सुबह से ही हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने पवित्र जल में स्नान कर पूजा-अर्चना की तथा दान-पुण्य कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। सुबह होते-होते दोनों जगहों के घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुट गई। गिरियक की पंचाने नदी के घाट पर आसपास के गांवों के अलावा नालंदा और नवादा जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। महिला, पुरुष, बुजुर्ग और बच्चों ने नदी में आस्था की डुबकी लगाई। स्नान के बाद लोगों ने नदी तट पर पूजा-अर्चना की और धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया। घाटों पर पूरे दिन श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। वहीं, चोरसुआ स्थित त्रिवेणी धाम में भी कार्तिक पूर्णिमा को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। यहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और पवित्र जल में स्नान कर पूजा-अर्चना की। दूर-दराज के गांवों से आए श्रद्धालुओं



ने धार्मिक अनुष्ठान किए और अपने परिवार की सुख-शांति एवं समृद्धि की मंगलकामना की। सुबह से ही त्रिवेणी धाम में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी रही। हिंदू धर्म में कार्तिक पूर्णिमा को स्नान और दान-पुण्य के लिए विशेष फलदायी तिथि माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन पवित्र नदियों और तीर्थस्थलों में स्नान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। इसी आस्था और विश्वास के कारण पंचाने नदी और त्रिवेणी धाम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। दोनों धार्मिक स्थलों पर स्नान, दान और पूजा-अर्चना के साथ कार्तिक पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा एवं भक्ति के माहौल में संपन्न हुआ।

कार्तिक पूर्णिमा मेले में उमड़ी भीड़, यातायात व्यवस्था संभालने में जुटी रही पुलिस

आइडियासिटी संवाददाता

गिरियक। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर गिरियक में लगे मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पूजा-अर्चना और खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने से बाजारों में दिनभर काफी चहल-पहल रही। भीड़ बढ़ने के कारण बाजार की सड़कों पर आवागमन प्रभावित होने की स्थिति को देखते हुए गिरियक पुलिस यातायात व्यवस्था संभालने में जुटी रही। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो और यातायात सुचारु बना रहे, इसके लिए पुलिस अधिकारी और जवान जगह-जगह तैनात रहे। पुलिसकर्मी वाहनों की आवाजाही नियंत्रित करने के साथ ही भीड़ को व्यवस्थित करते नजर आए। साथ ही लोगों को सुरक्षित रास्ता उपलब्ध कराने के लिए भी पुलिसकर्मी सक्रिय रहे। कार्तिक पूर्णिमा मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने के बावजूद पुलिस की मुस्तैदी से



यातायात व्यवस्था बनाए रखने का प्रयास किया गया। पुलिसकर्मियों ने लगातार भीड़ पर नजर रखी, ताकि लोगों को आवागमन में किसी तरह की परेशानी न हो और वे शांतिपूर्ण माहौल में मेले का आनंद उठा सकें। इस दौरान मेले में पहुंचे लोगों ने पूजा-अर्चना और खरीदारी के साथ मिठाइयों तथा विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भी आनंद लिया।



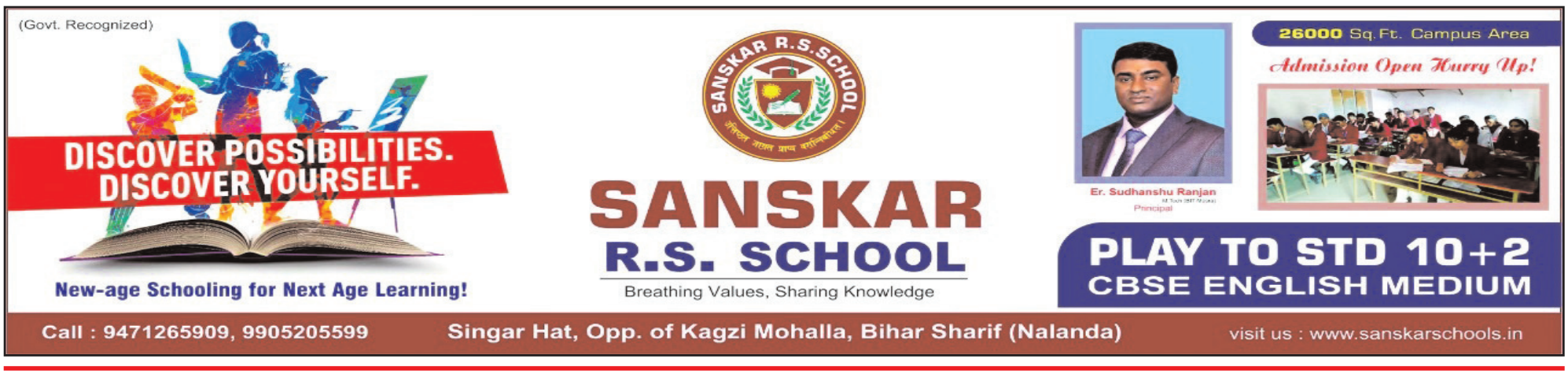

राजगीर महोत्सव में ड्यूटी के दौरान मोबाइल चलाने और फोटो-वीडियो बनाने पर रोक

एसडीओ और एसडीपीओ ने दंडाधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

आइडियासिटी संवाददाता



राजगीर। आगामी 26 से 28 नवंबर तक आयोजित होने वाले राजगीर महोत्सव 2026 के मुख्य समारोह को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से सोमवार को अनुमंडल पदाधिकारी सूर्य प्रकाश गुप्ता एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संजीत कुमार गुप्ता की संयुक्त अध्यक्षता में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों की विस्तृत ब्रीफिंग की गई। इस अवसर पर डीएसपी राम दुलार भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। ब्रीफिंग के दौरान वरीय अधिकारियों ने प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों और कर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि उनकी तैनाती मेले और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद लेने के लिए नहीं, बल्कि पूरे आयोजन को सुचारु और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए की गई है। इसलिए सभी कर्मी अपनी जिम्मेदारियों का पूरी गंभीरता से निर्वहन करें। अधिकारियों ने सख्त हिदायत दी कि वर्दी में तैनात पुलिसकर्मी और पदाधिकारी ड्यूटी के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल में व्यस्त नहीं रहें। अनावश्यक रूप से मोबाइल चलाने और फोटो-वीडियो बनाने से पूरी तरह परहेज करें। विधि-व्यवस्था बनाए रखने, भीड़ नियंत्रण और गश्ती में तैनात सभी दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी चुस्त-दुरुस्त रहकर अपने निर्धारित कार्यस्थल पर मुस्तैद रहेंगे। कोई भी कर्मी अपना ड्यूटी स्थल छोड़कर अनावश्यक रूप से मुख्य मंच की ओर नहीं जाएगा। मुख्य मंच के आसपास किसी भी व्यक्ति को अनावश्यक रूप से खड़े होकर फोटो या वीडियो बनाने की अनुमति नहीं होगी। इससे पीछे बैठे दर्शकों को कार्यक्रम देखने में परेशानी होती है। अतिथियों के साथ आने वाले लोगों और मीडिया कर्मियों के लिए अलग-अलग स्थान निर्धारित किए गए हैं। सभी संबंधित लोगों को अपने निर्धारित स्थान पर ही बैठने का निर्देश दिया गया है। पार्किंग व्यवस्था को लेकर भी अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए। आगंतुक जिस प्रवेश द्वार से कार्यक्रम स्थल में प्रवेश करेंगे, उनके वाहनों की पार्किंग उसी द्वार के समीप निर्धारित स्थल पर सुव्यवस्थित ढंग से कराई जाएगी। इससे रास्ता अवरुद्ध नहीं होगा और वाहनों के आवागमन में परेशानी नहीं होगी। मुख्य पंडाल के आसपास किसी भी वाहन को खड़ा करने की अनुमति नहीं होगी। वहीं, बड़ी गाड़ियों का कार्यक्रम स्थल की ओर प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। अधिकारियों ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति अति उत्साह में आकर अप्रिय घटना या अव्यवस्था फैलाने की कोशिश करता है तो उस पर तत्काल नियंत्रण किया जाए। सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को जारी संयुक्त आदेश का गहन अध्ययन करने का निर्देश दिया गया, ताकि अपने कार्यक्षेत्र और जिम्मेदारियों को लेकर किसी प्रकार का भ्रम न रहे। किसी भी तरह की दुविधा होने पर वरीय पदाधिकारियों से संपर्क कर तत्काल समाधान करने को कहा गया। ब्रीफिंग के अंत में अधिकारियों ने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य सभी पदाधिकारियों और कर्मियों को उनकी जिम्मेदारियों के प्रति पूरी तरह स्पष्ट करना है, ताकि सभी एक टीम के रूप में समन्वय बनाकर काम करें और राजगीर महोत्सव को भव्य, शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित तरीके से संपन्न कराया जा सके।

एक बार फिर जीवंत हो उठी पारंपरिक कुश्ती की विरासत

बासुदेव दंगल में देशभर के पहलवान दिखा रहे दमखम

आइडियासिटी संवाददाता



गिरियक। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर गिरियक में लगने वाले ऐतिहासिक मेले में पारंपरिक कुश्ती की विरासत एक बार फिर जीवंत हो उठी है। मेले के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय बासुदेव दंगल प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से पहलवान अपनी ताकत और कुश्ती के हुनर का प्रदर्शन करने पहुंचे हैं। बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली समेत कई राज्यों के पहलवानों की भागीदारी से अखाड़े में मुकाबलों का रोमांच बढ़ गया है। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला बुधवार को होगा। इसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले पहलवान को 20 हजार रुपये नकद और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले पहलवान को 10 हजार रुपये नकद के साथ तमगा देकर सम्मानित किया जाएगा। इस दंगल की खास बात यह है कि इसके पीछे एक पुरानी पारिवारिक परंपरा जुड़ी हुई है। पहले इस प्रतियोगिता का आयोजन पप्पू यादव के दादा बासुदेव खलीफा द्वारा किया जाता था। उन्होंने क्षेत्र में कुश्ती और अखाड़े की परंपरा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अब उनके पौत्र एवं समाजसेवी पप्पू यादव अपने दादा की विरासत को संभालते हुए इस आयोजन को निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं। इस तरह बासुदेव दंगल केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही पारंपरिक कुश्ती संस्कृति और पारिवारिक विरासत का प्रतीक बन गया है। दंगल में अलग-अलग राज्यों से आए पहलवानों के बीच जोरदार मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। अखाड़े में पहलवान एक-दूसरे को पटखनी देने के लिए तरह-तरह के दांव-पेच आजमा रहे हैं। मुकाबलों के दौरान दर्शकों की भारी भीड़ जुट रही है। लोग तालियां बजाकर पहलवानों का उत्साह बढ़ा रहे हैं। ग्रामीण परिवेश में आयोजित यह प्रतियोगिता युवाओं को पारंपरिक खेलों से जोड़ने के साथ ही कुश्ती की पुरानी पहचान को भी कायम रख रही है। गिरियक का कार्तिक पूर्णिमा मेला धार्मिक आस्था के साथ अपनी सांस्कृतिक और खेल परंपराओं के लिए भी जाना जाता है। पंचाने नदी में स्नान, महीने भर चलने वाला मेला और जरासंध की नगरी से जुड़ी लोकमान्यताओं के बीच बासुदेव दंगल प्रतियोगिता मेले का प्रमुख आकर्षण बनी हुई है। यह आयोजन न केवल पारंपरिक कुश्ती को जीवित रख रहा है, बल्कि नई पीढ़ी को भी अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का काम कर रहा है।

शादी में शामिल होने पहुंचा तो पुलिस के हत्थे चढ़ा पूर्व जदयू नेता बाबर मल्लिक, डेढ़ साल से था फरार

हथियारों के बड़े जखीरे की बरामदगी मामले में थी तलाश

आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ। पुलिस को करीब डेढ़ साल से चकमा देकर फरार चल रहे पूर्व जदयू नेता बाबर मल्लिक को आखिरकार एक शादी समारोह में शामिल होना महंगा पड़ गया। हथियार बरामदगी के मामले में आरोपित बाबर मल्लिक रविवार की रात लहेरी थाना क्षेत्र के एक होटल में पहुंचा था। इसकी भनक पुलिस को लग गई। इसके बाद बिहार थाना पुलिस ने लहेरी थाना पुलिस के सहयोग से छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। डीएसपी अमरनाथ ने बताया कि बाबर मल्लिक हथियार बरामदगी से जुड़े एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास कर रही थी। इसी दौरान रविवार की रात सूचना मिली कि वह लहेरी थाना क्षेत्र के एक होटल में शादी समारोह में शामिल होने पहुंचा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हुई और होटल में छापेमारी कर उसे दबोच लिया।

भाई के घर से मिला था हथियारों का बड़ा जखीरा

पुलिस के अनुसार, मई 2025 में बाबर मल्लिक के भाई के घर से हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद किया गया था। इस मामले में बाबर मल्लिक को भी आरोपित बनाया गया था। इसके बाद से ही पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। करीब डेढ़ साल तक गिरफ्तारी से बचने के बाद आखिरकार वह पुलिस के हाथ लग गया।

पूछताछ में जुटी पुलिस, कई बिंदुओं पर होगी जांच

गिरफ्तारी के बाद पुलिस बाबर मल्लिक से पूछताछ कर रही है। मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। छापेमारी दल में बिहार थानाध्यक्ष रंजीत कुमार रजक, पीएसआई परंतू कुमार यादव, पीएसआई सौरभ कुमार और पीएसआई सुमन सौरभ सहित बिहार और लहेरी थाना के अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।





कई माह से जलजमाव की समस्या से जूझ रहे सिपाह गांव के लोग, नगर निगम बेखबर

शायद बीमारी फैलने के बाद ही नगर निगम का खुलेगी नींद

आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ। नगर निगम एक तरफ नए वार्डों से होल्डिंग टैक्स वसूलने की तैयारी कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ बुनियादी समस्याओं के समाधान में रुचि नहीं ले रहा है। इसका उदाहरण देखना हो तो वार्ड संख्या 49 के सिपाह गांव के दक्षिण टोला पहुंच जाइए। यहां कई महीनों से सड़क पर जलजमाव की समस्या बनी हुई है। इसके कारण गांव के लोगों का आवागमन नारकीय हो गया है। जलजमाव के कारण पूरे इलाके में दुर्गंध फैल रही है, जो कभी भी गंभीर बीमारी का कारण बन सकती है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस समस्या से नगर आयुक्त से लेकर नगर प्रबंधक तक को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन आज तक जलजमाव से निजात दिलाने के लिए कोई पहल नहीं की गई है। जलजमाव के कारण लगभग 50 घरों के लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित



हो रही है। लोगों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है, जिससे आवागमन बेहद मुश्किल हो गया है। स्थिति यह है कि बच्चों और बुजुर्गों के लिए इस रास्ते को पार करना और भी जोखिम भरा हो गया है। लंबे समय से जमा गंदे पानी के कारण लोगों को संक्रमण और अन्य बीमारियों का खतरा सता रहा है। स्थानीय लोगों में नगर निगम के प्रति नाराजगी है। उनका कहना है कि एक तरफ नगर निगम



स्वच्छ और साफ-सुथरा शहर बनाने का नारा दे रहा है, वहीं दूसरी तरफ वार्ड की बुनियादी समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। सिपाह गांव के दक्षिण टोला में नगर निगम का स्वच्छता का नारा पूरी तरह विफल साबित हो रहा है। लोगों ने नगर निगम प्रशासन से जल्द से जल्द जलनिकासी की व्यवस्था कर जलजमाव की समस्या दूर कराने की मांग की है।

रातगांव में खुला नि:शुल्क सार्वजनिक पुस्तकालय, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में युवाओं को मिलेगी मदद

अनुसूचित जाति बैठका में शुरू हुई पहल, मेधावी छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

आइडियासिटी संवाददाता

बेगूसराय । ग्रामीण युवाओं को पढ़ाई के लिए बेहतर माहौल और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मदद देने के उद्देश्य से रातगांव पंचायत में नि:शुल्क सार्वजनिक पुस्तकालय की शुरुआत की गई है। पंचायत के वार्ड संख्या एक स्थित अनुसूचित जाति बैठका में समाजसेवी सत्यजीत सोनू के नेतृत्व में पुस्तकालय का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, लेकिन आर्थिक संसाधनों और शैक्षणिक सुविधाओं के अभाव में कई विद्यार्थी आगे नहीं बढ़ पाते। पुस्तकालय से आर्थिक



रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं को गांव में ही शांत वातावरण और उपयोगी पुस्तकों के साथ पढ़ाई का अवसर मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को भी इसका लाभ मिलने की उम्मीद है। इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाली छात्रा वैष्णवी सहित अन्य मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। मौके पर पंचायत समिति सदस्य महेंद्र ठाकुर, वार्ड सदस्य चंद्रचूड़ पासवान, पूर्व सरपंच राकेश चौधरी महंत, मनोज सिंह बाबा, शिक्षक बबलू पासवान, वात्सल्य भारद्वाज और राजेंद्र समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। अंत में सत्यजीत सोनू ने सभी के प्रति आभार जताया।

जीपीएल-3 में सुपरकिंग्स का तूफानी प्रदर्शन, छह विकेट से महाराणा क्रिकेट क्लब को हराया

रवि मैकुलम ने 23 गेंदों में ठोके 43 रन, 13.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर टीम को दिलाई जीत

आइडियासिटी संवाददाता

बेगूसराय । गढ़हरा प्रीमियर लीग सीजन-3 में मंगलवार को खेले गए मुकाबले में सुपरकिंग्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महाराणा क्रिकेट क्लब को छह विकेट से पराजित कर दिया। जीत के हीरो रवि मैकुलम रहे, जिन्होंने 23 गेंदों में 43 रनों की आक्रामक पारी खेलकर दर्शकों का दिल जीत लिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी महाराणा क्रिकेट क्लब की टीम ने निर्धारित 15 ओवर में नौ विकेट खोकर 153 रन बनाए। जवाब में सुपरकिंग्स



ने शुरुआत से ही तेज बल्लेबाजी की और 13.3 ओवर में चार विकेट पर 157 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। रवि मैकुलम की विस्फोटक पारी ने मुकाबले का रुख सुपरकिंग्स की ओर मोड़ दिया। उनके आकर्षक शॉट्स पर मैदान में मौजूद दर्शकों ने खूब तालियां बजाईं। शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच के बाद आयोजक अमित ठाकुर ने कहा कि जीपीएल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को बेहतर मंच देना है। मौके पर गौरव टाइगर, उत्तम कुमार, प्रशांत कोहली समेत कई खिलाड़ी और सैकड़ों खेलप्रेमी मौजूद रहे।

हिंदी फिल्म 'दरकार' में दिखेगा बॉलीवुड एक्टर अमिय कश्यप के अभिनय का नया रूप

आइडियासिटी संवाददाता

बेगूसराय : बिहार की सभी पांच क्षेत्रीय भाषा की फिल्मों के पहले बिहारी अभिनेता होने का गौरव प्राप्त कर चुके बॉलीवुड एक्टर अमिय कश्यप अभिनीत नई हिंदी फीचर फिल्म 'दरकार द फाइट अगेंस्ट सिस्टम' प्रदर्शन को तैयार है। हिंदी सहित विभिन्न भाषाओं की दो दर्जन से ज्यादा फिल्मों में अपने शानदार अभिनय का लोहा मनवा चुके अभिनेता अमिय कश्यप फिल्म 'दरकार' से एक नए अभिनय के रूप के साथ दर्शकों के सामने होंगें। अभिनेता कश्यप ने कहा कि मानवीय संवेदना एवं मूल्यों को केंद्र में रखकर बनी इस फिल्म में लोगों को कुछ ख़ास देखने को मिलेगा। श्री पिक्चर हाउस के बैनर तले बनी 'दरकार' के निर्माता आशुतोष श्रीवास्तव



एवं निर्देशक आनंद आर. श्रीवास्तव हैं, जिन्होंने अपने पच्चीस वर्षों के मुंबईया संघर्ष और समर्पण के निचोड़ के रूप में इस फिल्म का निर्माण किया है। नायक की भूमिका में चर्चित अभिनेता राजा गुरु एवं नायिका रिया मुंजाल हैं जबकि चरित्र अभिनेता के रूप में आदि ईरानी, ज्ञान प्रकाश, सुरेंद्र सिंह, आशीष झा, आकांक्षा मिश्रा, अर्थ श्रीवास्तव,विभा पांडे, ज्योत्सना शुक्ला, चंदन कश्यप, इंद्रेश त्रिपाठी, अमित दीक्षित, कृतिका श्रीवास्तव, पवन पाठक, अटल शर्मा, लवकुश बिहारी, रविंद्र गुप्ता, काजल कश्यप, रौशन वर्मा, आदित्य मिश्रा, संतोष पांडे, ओमकार मिश्रा एवं मोहित पाठक आदि प्रमुख रूप से हैं। फिल्म का संगीत सत्य- मोनू का है। गीतकार सत्य खरे एवं कैमरामैन की भूमिका नीरज त्रिपाठी ने निभाई है। फिल्म शीघ्र ही प्रदर्शित होगी।